सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दिग्गज ऑलराउंडर ने भारत की अगली कप्तान की भविष्यवाणी की... पेज: 7

कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2 को लेकर कही बात पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 267 | मंगलवार 06 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

गोवा में एएपी को बड़ा झटका, अमित पालेकर ने इस्तीफा

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी (आप) को सोमवार को गोवा में बड़ा झटका लगा, जब वरिष्ठ नेता अमित पालेकर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम जिला पंचायत चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद पालेकर को आम आदमी पार्टी की गोवा इकाई के प्रमुख पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में पालेकर ने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब संवाद और परामर्श सीमित होते हैं, तो निर्णय केवल शीर्ष नेतृत्व से ही लिए जाते हैं। पालेकर ने कहा कि ऐसी बातें व्यक्तियों को कमजोर नहीं करतीं, बल्कि संस्थाओं पर दबाव डालती हैं। उन्होंने कहा कि एक ऐसे आंदोलन के लिए, जिसने लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली को पुनर्परिभाषित करने का संकल्प लिया था, यह मतभेद बेहद निराशाजनक है।

जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे : पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को एक पुराने प्रसंग को याद किया। उन्होंने बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे। उनका मानना था कि सरकार और बड़े संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को इस काम से नहीं जुड़ना चाहिए। अपने ब्लॉग में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी सरदार वल्लभभाई पटेल पर आई। यह वही मंदिर है, जिस पर साल 1026 में आक्रमण हुआ था। उन्होंने बताया कि दीपावली 1947 में सरदार पटेल जब सोमनाथ पहुंचे, तो वहां की स्थिति देखकर वे बहुत भावुक हो गए। इसी यात्रा के बाद उसी स्थान पर मंदिर को दोबारा

बनाने का फैसला हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खोला गया। उस समय देश के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इस ऐतिहासिक अवसर पर मौजूद थे। पीएम मोदी के अनुसार, पंडित जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि सरकार आधिकारिक रूप से इस मंदिर के पुनर्निर्माण से न जुड़े। वे राष्ट्रपति और मंत्रियों की मौजूदगी के भी पक्ष में नहीं थे। नेहरू का मानना था कि इससे भारत की छवि पर गलत असर पड़ेगा। हालांकि, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद अपने फैसले पर अडिग रहे और समारोह में शामिल हुए। उन्होंने लिखा कि दुर्भाग्य से सरदार पटेल इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे लेकिन उनका सपना देश के सामने साकार होकर खड़ा था। उन्होंने लिखा, ह्तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं

मुंशी की किताब सोमनाथ, द श्राइन इटरनल को...

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर की बात के.एम. मुंशी का जिक्र किए बिना अधूरी है। उन्होंने सरदार पटेल का पूरा साथ दिया। मुंशी की किताब सोमनाथ, द श्राइन इटरनल को प्रधानमंत्री ने बेहद ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि इसका नाम ही भारत की सभ्यतागत सोच को दशार्ता है

थे। वे नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर की बात के.एम. मुंशी का जिक्र किए बिना अधूरी है। उन्होंने सरदार पटेल का पूरा साथ दिया। मुंशी की किताब ह्यसोमनाथ, द श्राइन इटरनल को प्रधानमंत्री ने बेहद ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि इसका नाम ही भारत की सभ्यतागत सोच को दशार्ता है, जिसमें आत्मा और विचारों की अमरता पर विश्वास किया जाता है। उन्होंने कहा, म विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।

केरल में लोग बदलाव चाहते हैं: केसी वेणुगोपाल का पिनाराई विजयन पर सीधा हमला, बोले- जनता हटाएगी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य की जनता पिनारयी विजयन के नेतृत्व वाली सरकार से तंग आ चुकी है और आगामी विधानसभा चुनावों में उसे सत्ता से बेदखल करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ कई बैठकों के बाद वायनाड में बोलते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने पिछले दो दिनों में व्यापक विचार-विमर्श किया है और एकजुट होकर नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा कि एक तरफ सीपीएम सरकार को फिर से सत्ता में लाने की बात कर रही है, लेकिन जनता का मन स्पष्ट

है कि वे इस सरकार को हटाना चाहते हैं। सभी लोग पूरे उत्साह और दूरदृष्टि के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। हम केरल में जीत हासिल करेंगे। राज्य में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में तेजी आने के बीच वेणुगोपाल की ये टिप्पणियां आई हैं। इससे पहले रविवार को, कांग्रेस नेता ने विपक्ष के नेता वीडी सतीशान के खिलाफ सीबीआई जांच की केरल सतर्कता एवं भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (वीएसीबी) की सिफारिश को सिरे से खारिज करते हुए इसे चुनावों से पहले सीपीआई(एम) का राजनीतिक हथकंडा बताया था। वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा कि यह स्पष्ट रूप से चुनाव के समय की चाल है। आगामी चुनावों में कोई भी सीपीआईएम सरकार को नहीं बचा सकता। वे भी यह जानते हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। वीएसीबी ने उन आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की सिफारिश की है कि सतीशान ने पुनर्जनी आवास परियोजना के लिए अवैध विदेशी धन प्राप्त किया था। यह परियोजना 2018 में केरल में आई विनाशकारी बाढ़ में उत्तरी परवूर निर्वाचन क्षेत्र में बेघर हुए परिवारों के पुनर्वास के लिए शुरू की गई थी। इस सिफारिश में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम एफसीआरए के कथित उल्लंघनों का हवाला दिया गया है और साथ ही सतीशान की विदेश यात्रा पर भी सवाल उठाए गए हैं, जो कथित तौर पर विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बिना की गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर से सशस्त्र बलों ने दुनिया के सामने भारत की दृढ़ता का प्रदर्शन किया: राधाकृष्णन

नई दिल्ली एजेंसी: उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत को गौरवान्वित किया। दिल्ली छावनी में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर 2026 में अपने संबोधन में राधाकृष्णन ने कहा कि बलों ने सैन्य कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए दुनिया के सामने देश के संकल्प और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उन्होंने अभियान के दौरान एनसीसी के प्रशंसनीय योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी ने सराहनीय योगदान दिया, जब लगभग 72,000 एनसीसी कैडेट नागरिक सुरक्षा उपायों के लिए स्वेच्छा से सेवाएं देकर एनसीसी

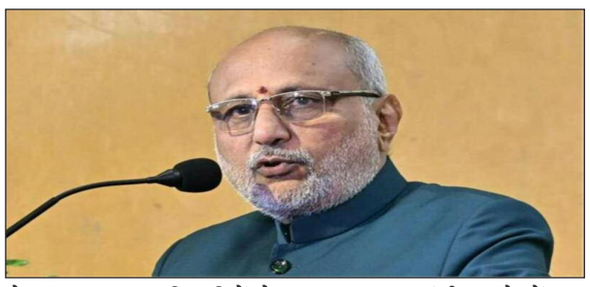

योद्धा' बन गए। अधिकारियों के अनुसार, इन कैडेटों ने आपातकालीन अभ्यास, रक्तदान शिविरों और नागरिक सुरक्षा से संबंधित अन्य गतिविधियों में सहायता की। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई, 2025 की सुबह ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया। पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, पिछले साल, हमारी सशस्त्र सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देकर दुनिया में भारत के दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों की राष्ट्र के सम्मान, संप्रभुता और उसके नागरिकों की रक्षा करने की अटूट प्रतिबद्धता का एक शक्तिशाली प्रतीक था। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोमवार को एनसीसी के गणतंत्र दिवस शिविर का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया जिसका समापन 28 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ होगा। देश भर से कुल 2,406 एनसीसी कैडेट, जिनमें 898 लड़कियां शामिल हैं, लगभग एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में भाग ले रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कैडेटों को केवल गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने वाला नहीं, बल्कि एक नए भारत का राजदूत बताया, जो 2047 तक एक आत्मनिर्भर' और मजबूत भारत, एक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगे।

धमकाना मत, ग्रीनलैंड नहीं ठेंगा मिलेगा, अब किस देश ने ट्रंप को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कई मंचों पर यह कह रहे हैं कि अब ग्रीनलैंड की बारी है क्योंकि उन्हें ग्रीनलैंड अमेरिका की सुरक्षा के लिए चाहिए। अमेरिका की सुरक्षा के नाम पर वो चीन और रूस का भी नाम लेते हैं और कहते हैं कि कभी भी यह हमारे घर पर दस्तक दे सकते हैं। ऐसे में हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है। हम उसे लेकर रहेंगे। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह चेतावनी है जो वह बार-बार ग्रीनलैंड को लेकर दे रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी भरे लहजे में कह रहे हैं कि आप हमें धमकी देना बंद कर दें। डेनिश प्राइम मिनिस्टर मेठे ने सीधे तौर पर अमेरिका से यह कहा है कि अमेरिका का बार-बार यह कहना कि उसे ग्रीनलैंड चाहिए इसका कोई मतलब नहीं है। अमेरिका के पास डेनिश किंगडम से किसी भी देश को काटने का कोई

अधिकार नहीं है। इसके अलावा वह यह भी कहती हैं कि जो किंगडम ऑफ डेनमार्क है और जो ग्रीनलैंड उसका पार्ट है वह नेटो का हिस्सा है और नाटो के सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका की भी है। ऐसे में अमेरिका कोई भी मनचाहा कदम नहीं उठा सकता और हम भी इस पैक्ट का हिस्सा हैं और हमने भी आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अपनी खूब जिम्मेदारी का निर्वाहन किया है। वहीं ग्रीनलैंडिंग प्राइम मिनिस्टर की तरफ से भी यह कहा गया है कि हम अमेरिका के सदियों से बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। हमने कंधे से कंधे मिलाकर बुरे वक्त का सामना किया है। हमने नॉर्थ अटलांटिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाई है। यही सच्चे दोस्त करते हैं। ऐसे में उनका यह कहना है कि बार-बार अमेरिका की तरफ से इस तरह की धमकी देना नाकाबिले बर्दाश्त है और इसे आगे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार यह कहते हैं कि वी नीड ग्रीनलैंड तो यह साफ तौर पर बताता है कि वह हमें वेनेजुएला और अपनी सेना की तरह इंटरवीन करना चाहते हैं जो कि गलत नहीं है बल्कि अपमानजनक भी है।

एसआईआर के दौरान अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करूंगी: ममता

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करेंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा, हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा, यदि अनुमति मिली तो मैं भी उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को मनमाने ढंग से हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। उन्होंने दावा किया कि गंभीर रोग से ग्रसित लोगों और बुजुर्ग नागरिकों को यह साबित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया जा रहा कि वे वैध मतदाता हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया, अगर कोई भाजपा नेताओं के बूढ़े माता-पिता को पहचान साबित करने के लिए लाइन में खड़ा कर दे, तो उन्हें कैसा लगेगा? जब से एसआईआर शुरू हुआ है, डर से कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं।

सिद्धरमैया सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ेंगे

नई दिल्ली एजेंसी: सिद्धरमैया छह जनवरी को कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे डी. देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। उन्होंने सोमवार को इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय जनता के आशीर्वाद को दिया। उनके और उर्स के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर को उजागर करते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि जहां उर्स शासक वर्ग से संबंधित थे, वहीं वह सामाजिक रूप से पिछड़े समुदाय (कुरुबा या चरवाहा) से आते हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ह्जनता के आशीर्वाद से कल (मंगलवार को) कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का दिवंगत डी. देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा। गर्व की बात है कि मैं और उर्स दोनों मैसूरू से हैं। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने कभी सोचा था कि वह यह रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे तो सिद्धरमैया ने स्वीकार किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री बनना तो दूर, मंत्री बनने की भी कल्पना नहीं की थी सिद्धरमैया ने

कहा, मैंने तो बस यही सोचा था कि तालुक बोर्ड सदस्य बनने के बाद मैं विधायक बनूंगा। मैं अब तक आठ चुनाव जीत चुका हूं। मैं दो संसदीय चुनाव और दो विधानसभा चुनाव हार चुका हूं। अपने जीवन में मैंने तालुक चुनावों सहित कुल 13 चुनाव लड़े हैं। उन्होंने उर्स से उनकी तुलना के बारे में पूछे जाने पर कहा, देवराज उर्स सामाजिक रूप से पिछड़े नहीं थे। वास्तव में, वह शासक वर्ग से थे। वह उस समुदाय से थे जिसकी आबादी ज्यादा नहीं थी लेकिन वह एक लोकप्रिय नेता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी और उर्स की कोई तुलना नहीं है। सिद्धरमैया ने कहा कि उर्स का दौर वर्तमान से भिन्न था और देवराज उर्स ने सीधे जनता से धन इकट्ठा कर चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, 1962 में लोगों ने उन्हें धन दिया और उनके पक्ष में मतदान किया। अब समय बदल गया है। उर्स के रिकॉर्ड को तोड़ने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरमैया ने कहा कि रिकॉर्ड तोड़ने के लिए ही होते हैं। उन्होंने खेल का उदाहरण देते हुए अपनी इस उपलब्धि की तुलना विराट कोहली द्वारा क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने से की।

यूपी पुलिस भर्ती में योगी सरकार ने दी बड़ी राहत, आयु सीमा में 3 साल की छूट देने का ऐलान

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। हम आपको बता दें कि सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा। योगी सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर

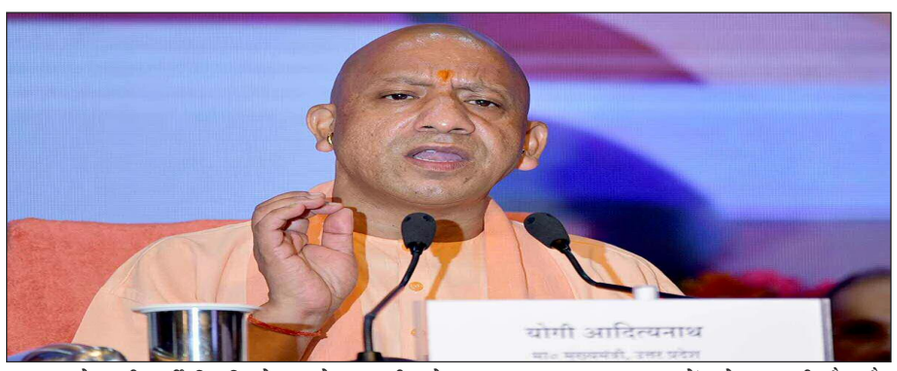

2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे। देखा जाये तो योगी सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है कि प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर

हम आपको यह भी बता दें कि साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों युवाओं को 2026 का बड़ा तोहफा देते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए

देना, रोजगार के अधिक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराना और प्रशासनिक निर्णयों में संवेदनशीलता बनाए रखना योगी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दशार्ता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है। हम आपको यह भी बता दें कि साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने प्रदेश के लाखों युवाओं को 2026 का बड़ा तोहफा देते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की गयी थी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी इस अधिसूचना ने साफ संकेत दिया था कि योगी सरकार में रोजगार केवल घोषणा नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बन चुका है। भर्ती बोर्ड के अनुसार अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को बोर्ड की वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्रणाली में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। ओटीआर के जरिए एक बार पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। हम आपको यह भी बता दें

संपादकीय

एक राष्ट्रपति अमरीकी बंधक

अमरीका का राष्ट्रपति कोई भी हो, वह किसी भी देश पर हमला करा सकता है, किसी भी संप्रभु एवं स्वतंत्र देश के राष्ट्रपति को अगवा करा अमरीकी जेल में डाल सकता है अथवा फांसी पर लटका सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति किसी भी देश के बेशकीमती संसाधनों, तेल एवं खनिज और सत्ता पर कब्जा कर सकता है। कोई भी देश, रूस और चीन भी, अमरीकी राष्ट्रपति को कोसते रहंए अथवा चेतावनियां जारी करते रहें, लेकिन अमरीका ही दुनिया का सबसे ह्यखूंख्वार डॉनह्ल है। उसके सामने संयुक्त राष्ट्र आम सभा और सुरक्षा परिषद बिल्कुल नपुंसक और बेमानी हैं। अमरीकी राष्ट्रपति का आदेश ही ह्यवैश्विक कानूनह्ल है। अमरीकी राष्ट्रपति को वहां की संसद (कांग्रेस) और अदालत की भी परवाह नहीं है। वह ही ह्यवैश्विक साम्राज्यवादी शासकह्ल है। मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला पर गहरी रात में, करीब 2 बजे, चौतरफा हमले करा और वहां के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को उनके बेडरूम में ही बंधक बना कर साबित कर दिया है कि दुनिया अमरीका के मुताबिक ही चलेगी। अमरीकी सत्ता को कोई चुनौती नहीं दे सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया कि जो मादुरो के साथ हुआ है, वह किसी के भी साथ हो सकता है! लिहाजा डर, खौफ और खतरा भांपते हुए ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सेनाओं को अलर्ट कर दिया है और सीमाओं पर तैनाती के आदेश दिए हैं। क्या अगली बारी ईरान के सुप्रीम लीडर की है? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने कथित तानाशाह मादुरो को हटाने और नार्को आतंकवाद के अपराध में दंडित करने के लिए ही वेनेजुएला के रक्षा मंत्री के आवास, हवाई अड्डे, एयरबेस, वायुसेना मुख्यालय, सैन्य रणनीतिक कार्यालय आदि पर बम-वर्षा के आदेश दिए हों, दरअसल ऐसा नहीं है।

अमरीका की नजरें वेनेजुएला के करीब 305 अरब बैरल तेल के भंडारों और 1.36 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के बेशकीमती खनिजों पर थी। दुनिया के 20-22 फीसदी से अधिक तेल के भंडार वेनेजुएला में हैं। मादुरो को बंधक बनाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें उन्होंने साफ ऐलान कर दिया कि अब वेनेजुएला पर अमरीका का कब्जा है। जो ऑपरेशन किया गया, वह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा ऑपरेशन था। अब वेनेजुएला के तेल कारोबार को अमरीकी कंपनियां देखेंगी। अमरीका खूब पैसा कमाएगा। मादुरो के शासन में अमरीकी तेल की चोरी की गई। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमरीका में ही मुकदमा चलाया जाएगा। हम मादुरो को कड़ी सजा दिलवाएंगे। अमरीका ने पनामा के तानाशाह राष्ट्रपति मैनुअल नोरिएगा, ग्रेनेडा के शासक, इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन, लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी आदि को गिरफ्त में लेकर जो बर्ताव किया था, संभवतः वही नियति मादुरो की लगती है। अमरीकी विशेष कमांडोज ने ही अलकायदा के सरगना लादेन और आईएसआईएस के खलीफा सरगना बगदादी को भी खत्म किया था। दरअसल अमरीका के सामने वेनेजुएला ह्यमेमना देशह्ल है, लिहाजा वह क्या चुनौती देता! राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को ह्यसेफ हाउसह्ल से ही अगवा किया गया, तब पूरी सुरक्षा व्यवस्था क्या कर रही थी? वेनेजुएला के लाखों सैनिक और मिलिशिया कहां थे? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि हमने वेनेजुएला की सैन्य-क्षमता को बिल्कुल शक्तिहीन कर दिया। बेशक यूरोपीय संघ के अधिकतर देशों, रूस, चीन, ईरान, क्यूबा, ब्रिटेन, मेक्सिको, ब्राजील, कोलंबिया आदि ने अमरीकी हमले की निंदा की है। उसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। इन बयानों से क्या होगा?

चिंतन-मनन

माँ है तो सबकुछ है

माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं। जो अपनी माँ को प्रसन्न रखता है, वह उसके आशीर्वाद का वरदान भी पाता है। ऐसी परम उपकारी वात्सल्य मूर्ति माँ की आँखों में कभी आँसू नहीं आने देना। जो विनयपूर्वक परमात्मा और सद्गुरु के चरणों में समर्पित हो जाता है, वह सबकुछ पा जाता है। सद्गुरु हमें ज्ञान देते हैं। सद्गुरुरूपी नाविक के साथ धर्मरूपी नौका में बैठकर इंसान संसार सागर को पार कर लेता है। आज व्यक्ति धन-वैभव का अहंकार करता है, परंतु वह अंत में धराशायी हो जाता है। जिसके जीवन में विनय का गुण है, वह ज्ञान प्राप्त कर सकता है। माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वेनेजुएला को लेकर ट्रम्प की दादागिरी अमानवीय!

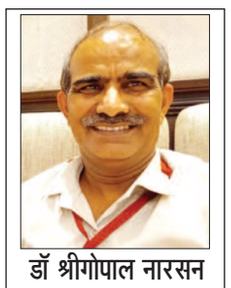

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रचीन ने अमेरिका से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की मांग की है। दोनों इस समय अमेरिका की हिरासत में हैं। अमेरिकी सेना उन्हें वेनेजुएला की राजधानी काराकस से पकड़कर अमेरिका ले गई थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी देश के राष्ट्रपति को इस तरह अपने देश ले जाना गलत है। इस मुद्दे का हल बातचीत से होना चाहिए। इससे पहले भी चीन ने अमेरिका की कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। वही उत्तर कोरिया ने भी वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई को गुंडागर्दी बताया है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई किसी भी देश की आजादी और संप्रभुता पर किया गया सबसे गंभीर हमला है। आपको बता दे ,अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया और फिर अमानवीय जेल में बंद कर दिया गया। उन पर अमेरिका में हथियार-ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पाद्रीनो लोपेज ने अमेरिका की कार्रवाई को लेकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प का राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने का फैसला सिर्फ वेनेजुएला के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह कदम ग्लोबल ऑर्डर के लिए गंभीर चुनौती है। उनका कहना है कि अगर आज ऐसा वेनेजुएला के साथ किया गया है, तो कल किसी भी देश के साथ ऐसा हो सकता है। उन्होंने इसे खतरनाक मिसाल बताया। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी विदेश नीति की भी आलोचना की और कहा कि अमेरिका लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में पुराने उपनिवेशवादी विचार थोपना चाहता है। वेनेजुएला इस सोच को पूरी तरह खारिज करता है। रूस के सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जो कदम उठाए हैं, वे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। अमेरिका, लैटिन अमेरिका को हमेशा से अपने प्रभाव वाला इलाका मानता रहा है। वेनेजुएला के मामले में भी अमेरिका की नजर वहां के तेल पर है। अमेरिका की सोच दूसरे देशों के संसाधनों पर कब्जा करने की रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की सबसे बदनाम जेलों में से एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। इस जेल की हालत इतनी खराब मानी जाती रही है कि कुछ अमेरिकी जजों ने यहां कैदियों को भेजने से तक इनकार कर दिया था। यह जेल सन 1990 के दशक में बनाई गई थी और यहां करीब 1,300 कैदी बंद हैं। आमतौर पर यह जेल उन लोगों के लिए इस्तेमाल होती है, जिनके खिलाफ न्यूयॉर्क की फेडरल अदालतों में मुकदमा चल रहा होता है। यहां गैंगस्टर और ड्रग तस्करों से लेकर सफेदपोश अपराधों के आरोपी तक रखे जाते हैं।

मादुरो इस जेल में बंद होने वाले पहले विदेशी राष्ट्रपति नहीं हैं। इससे पहले होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को भी इसी जेल में रखा गया था। उन पर अमेरिका में कोकीन की तस्करी का मामला चला था। बाद में उन्हें 45 साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें माफी देकर रिहा कर दिया। इस जेल में मेक्सिको के कुख्यात सिनालोआ ड्रग कार्टेल के को फाउंडर इस्माइल एल मायो जाम्बाडा भी बंद हैं। इसके अलावा एक कारोबारी की हत्या के आरोपी लुइजी मैनजियोने भी यहीं कैद हैं। कैदियों और उनके वकीलों ने लंबे समय से यहां हिंसा, बदसलूकी और अव्यवस्था की शिकायतें की हैं। साल 2024 में दो कैदियों की हत्या दूसरे कैदियों ने यहां कर दी थी। कुछ जेलकर्मियों पर रिश्वत लेने और जेल के अंदर गैरकानूनी सामान पहुंचाने के आरोप भी लगे हैं। सन 2019 की सर्दियों में यहां बिजली चली गई थी, जिससे यह जेल एक हफ्ते तक अंधेरे और ठंड में डूबी रही थी। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर कब्जा कर लिया है। ड्रग्स कारोबार की आड़ लेकर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बना लिया। उनकी पत्नी और मादुरो पर अमेरिका में मुकदमा चलेगा। अमेरिकी तेल व्यापारी अब वेनेजुएला की तमाम रिफाइनरी संभाल लेंगे। अमेरिका ने एक तरह से वेनेजुएला को गुलाम बना लिया है। हरिद्वार के वरिष्ठ पत्रकार कौशल सिखौला की माने तो वेनेजुएला के तेल पर निगाह रखने वाले ट्रंप के वेनेजुएला आने का खामियाजा भारत को भी उठाना पड़ेगा जो वेनेजुएला से खासे पैमाने पर तेल खरीदता है। ट्रंप की इस कार्रवाई की रूस और चीन सहित दुनियाभर के अनेक देशों ने निंदा की है। लेकिन भारत ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप की इस कार्रवाई का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव पड़ेगा।

उनकी माने तो ट्रम्प अब अपने ही अमेरिकी देश मेक्सिको को निशाना बनाने की तैयारी में है? उनके शब्दो मे,अमेरिका की जो मंशा है वह चीन की हुआ करती है। चीन तमाम पड़ौसियों को हड़पना चाहता है। नया साल लगते ही तेल के लिए अमेरिका ने धावा बोल दिया। यहां याद रखिए कि वेनेजुएला से कच्चे तेल और एल्यूमिनियम का भारत बहुत बड़ा खरीदार है? तो क्या अमेरिका यहाँ भी भारत को चोट देना चाहता है? कहां तो ट्रंप पूरी दुनिया को शान्ति का संदेश दे रहे थे और कहां पड़ोसियों को अशांत कर दिया , खुद भी अशांत हो गए। ट्रंप की मंशा खोमेनई और किम जोंग को भी इसी तरह उठाने की है। कनाडा से भी ट्रंप खासे खफा हैं। समझ नहीं आता कि ट्रंप मानसिक रूप से ठीक हैं या पूरी तरह हिल गए हैं? इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर अभी और तल्ख होने बाकी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार उल्लंघन व हठधर्मिता का यह मामला पूरी दुनिया देख रही है ,जिसे लेकर दुनिया के अन्य देशों को विरोध के स्वर बुलंद करने चाहिए।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है)

सरहदों की भेंट चढ़ता बचपनः जब जन्म देने वाली धरती ही पराई हो जाए

दिलीप कुमार पाठक

युद्ध अनाथों का विश्व दिवस प्रतिवर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर के उन निर्दोष बच्चों की व्यथा को वैश्विक मंच पर लाना है, जिन्होंने युद्ध की आग में अपने माता-पिता और अपना घर खो दिया है। जब दो देशों या गुटों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता है, तो उसकी सबसे भारी कीमत अक्सर बच्चे ही चुकाते हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि यह हजारों परिवारों को उजाड़ देता है और बच्चों को एक ऐसे अंधेरे भविष्य की ओर धकेल देता है जहाँ न तो सिर पर साया होता है और न ही मन में सुरक्षा का भाव। युद्ध के कारण अनाथ हुए इन बच्चों को विस्थापन की कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ता है, जहाँ उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनकर शिविरों में रहना पड़ता है। गरीबी और संसाधनों की कमी उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है, जिससे उन्हें पर्याप्त भोजन, साफ पानी और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ भी नहीं मिल पातीं। शिक्षा, जो किसी भी बच्चे के विकास की नींव होती है, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तरह ठप हो जाती है, जिससे इन बच्चों का भविष्य और भी असुरक्षित हो जाता है।

युद्ध अनाथों के विश्व दिवस का प्राथमिक उद्देश्य उन मासूम बच्चों के अधिकारों के लिए पुरजोर तरीके से आवाज उठाना एवं उनके लिए संसाधनो को मुहैय्या कराने की ज़िम्मेदारी को उठाना जिनका जीवन युद्ध की विभीषिका ने पूरी तरह बदल दिया है। यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और आम नागरिकों के लिए एक सामूहिक आह्वान है कि वे आगे आएं और इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाएं। इस दिन का सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया को यह समझाना है कि युद्ध में अनाथ हुए बच्चे केवल भोजन या कपड़ों के मोहताज नहीं हैं, बल्कि उन्हें कानूनी सुरक्षा, नागरिकता की पहचान और एक गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा अधिकार है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 6 जनवरी को दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सेमिनार, शांति मार्च और डिजिटल अभियान प्रमुख हैं। इन पहलों के जरिए उन चुनौतियों को उजागर किया जाता है जिनका सामना ये बच्चे हर दिन करते हैं, जैसे कि शिक्षा से वंचित रहना, जबरन मजदूरी में धकेला जाना या युद्ध अपराधी समूहों द्वारा उनका शोषण किया जाना।

आज जब हम आधुनिकता और मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तब युद्ध झेल रहे मुल्कों की बदतर होती स्थिति हमारे दावों की पोल खोल देती है। मासूम बच्चे, जिनका राजनीति या सत्ता के संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं होता, सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते हैं। वे या तो अपने ही देश में बने तंग राहत शिविरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, या फिर उन्हें शरणार्थी बनाकर उनके देश से निकाल दिया जाता है। यदि हम खुद को मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध कहते हैं और फिर भी इन बच्चों की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो मूल्यांकन करने पर हम मानवता के पैमाने पर बहुत पीछे खड़े नजर आएंगे। यह एक यक्ष प्रश्न है कि यदि कोई बच्चा युद्ध की आग के कारण अपना घर, अपना बचपन और अपना मुल्क खो चुका है, तो क्या उसे केवल विदेशी या बोझ मानकर दर-दर भटकने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए? शरणार्थी संकट के दौरान अक्सर देशों की सीमाएं इन मासूमों के लिए बंद कर दी जाती हैं, जो कि नैतिकता की हार है। हमें यह सोचना होगा कि यदि ईश्वर ने उसे इस दुनिया में जन्म दिया है, तो क्या इस विशाल धरती पर उसके लिए दो गज जमीन और सर ढकने के लिए एक छत का भी अधिकार नहीं है? क्या किसी बच्चे का अस्तित्व केवल उसके पासपोर्ट या नागरिकता के दस्तावेजों तक सीमित है?

सच्चाई यह है कि धरती की कोई भी सीमा उस मानवीय अधिकार से बड़ी नहीं हो सकती, जो हर बच्चे को सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती है। यदि हम ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि पूरी पृथ्वी ही ईश्वर का घर है और यहाँ जन्म लेने वाला प्रत्येक जीव यहाँ रहने का जन्मसिद्ध अधिकार रखता है। मानवीय मूल्यों का दिखावा करने के बजाय अब समय है कि दुनिया वसुधैव कुटुंबकम पूरी पृथ्वी एक परिवार है के सिद्धांत को धरातल पर उतारे। किसी भी बच्चे को केवल इसलिए नकारा नहीं जाना चाहिए क्योंकि उसका मुल्क युद्ध की भेंट चढ़ गया। उन्हें संरक्षण देना, उन्हें अपनाना और उनके जीवन को पुनः संवारना ही ईश्वर की सच्ची सेवा और मानवता की वास्तविक जीत है।

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

आॅनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता।

31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति-निमार्ता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है।

तेजी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफे की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा है; शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाए बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग-वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सेवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोजगार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

तहसील हसनपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने शिकायतों का कराया निस्तारण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में तहसील हसनपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने पूर्व तहसील दिवसों की शिकायतों की समीक्षा की और पाया कि ब्लॉक और तहसील स्तर पर शिकायतों का उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि जिस स्तर पर शिकायत प्राप्त हो, उसी स्तर पर उसका शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन

की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 11, पुलिस विभाग की 08, विकास विभाग की 01, पूर्ति विभाग की 01 और 04 अन्य सहित कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से स्थलीय निरीक्षण कर निर्धारित समयावधि में शिकायतों का गुणवत्तापरक अंतिम निस्तारण सुनिश्चित कराएं। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में शिकायतें अधिक हैं या शिकायतों की पुनरावृत्ति हो रही है, वहां स्वयं मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। निधि गुप्ता वत्स ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से त्वरित निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज त्यागी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त सहित जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव को लेकर सुभासपा ने तेज की गतिविधियां

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा की मासिक बैठक अमरोहा क्षेत्र के गांव दरियापुर में मंडल सचिव मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान जिलाध्यक्ष सतपाल तोमर ने कहा कि पंचायत चुनाव पार्टी के लिए अहम हैं और इसके लिए सभी को अभी से सक्रिय होकर मैदान में उतरना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुभासपा जिले की सभी जिला पंचायत सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर भी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर लगातार शोषित, वंचित व दबे-कुचले वर्गों की आवाज को सदन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। यही वजह है कि

आम जनता का भरोसा सुभासपा पर लगातार बढ़ रहा है। पूर्व प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश बलराज सिंह प्रजापति ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की कुंजी है और इसके लिए सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बैठक में संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान व पार्टी की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यकताओं से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें। इस दौरान आदेश अमरोही, सुरेंद्र सिंह, जसवीर सिंह चौहान, विनीत चौहान, चंद्रसेन खड़गवंशी, जितेंद्र राणा, नरेंद्र प्रधान, इस्लामउद्दीन इदरीसी, वसीम अहमद, अनिल कुमार, बाबूराम पाल, पदम सिंह, मोहम्मद नाजिम, साबिर गुलामआदि मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में गजरौला में जल प्रदूषण के संबंध में हुई महत्वपूर्ण बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में गजरौला में प्रदूषित जल के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गयी। जिसमें गठित समिति उपायुक्त उद्योग, अमरोहा, उप निदेशक कृषि, अमरोहा, मुख्य चिकित्साधिकारी अमरोहा, सहायक अभियन्ता भू-जल, अमरोहा, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अमरोहा, क्षेत्रीय अधिकारी, उ०प्र० प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, बिजनौर सहित प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठान आदि उपस्थित रहें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समिति को निर्देशित किया गया कि

हैण्डपम्पों, बोरबेल, सब्मर्सिबल तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों के वॉटर लेवल की जाँच की जायें तथा कमियों को दूर किया जायें एवं साथ ही कृषि उत्पादों की भी सैम्पलिंग/जाँच की जायें। मुख्य चिकित्साधिकारी, अमरोहा को निर्देशित किया गया कि गाँव-गाँव स्वास्थ्य जाँच सम्बन्धी कैम्प लगाया जायें, क्षेत्रीय अधिकारी, उ०प्र० प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, बिजनौर को निर्देशित किया गया कि सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सी०टी०पी० की जाँच की जायें। अधिशासी अभियंता जल निगम को सभी ब्लॉक में उथले हैंडपंप को ठीक कराएं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जल प्रदूषण की इस समस्या के समाधान के लिए सभी निदेर्शों को एक समन्वित अभियान के रूप में चलाया जाए तथा समयबद्ध रूप से कार्यवाही पूरी की जाए। इस अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी उ0प्र0प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उमेश चंद्र शुक्ल, उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, कृषि विभाग एवं संबंधित विभागीय अधिकारी एवं प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठान उपस्थित रहे।

अग्निवीर में चयन होने पर गांव में खुशी की लहर

अंबेडकर युवक संघ के पदाधिकारियों ने घर पहुंच कर दी बधाई

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव चंदनकोटा निवासी रोहित कुमार का अग्निवीर योजना के अंतर्गत भारतीय सेवा में चयन होने पर ट्रेनिंग के लिए रवाना होने से पहले गांव में भव्य स्वागत किया गया। उनके ट्रेनिंग में जाने के अवसर पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के पदाधिकारियों द्वारा उनके गांव पहुंचकर फूल मालाएं पहनाकर एवं प्रतीक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गांव के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। परिवार और रिश्तेदारों ने भी रोहित कुमार को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक

संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि बचपन से ही रोहित कुमार का देश सेवा करने का सपना था। जिसके लिए उन्होंने लगातार मेहनत की और शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा दोनों में सफलता प्राप्त कर अपने सपने को पूरा किया।उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और लग्न से कोई भी मंजिल आसानी से पाई जा सकती है। रोहित कुमार के माता-पिता भी बेटे की उपलब्धि पर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उनके पिता प्रमोद कुमार किसान व माता क्रांति देवी ग्रहणी है।पिता प्रमोद कुमार ने बताया कि रोहित कुमार बचपन से ही पढ़ाई में काफी होशियार रहा है। स्वयं घर पर रहकर तैयारी कर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। ट्रेनिंग में जाने से पूर्व रोहित कुमार का गांव में ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम, सुरेश सिंह, जयवीर सिंह,दिनेश कुमार छोटेलाल प्रधान, प्रभुदयाल सिंह, प्रकाश सिंह, अतर सिंह, विनोद कुमार, रूम सिंह, नेपाल सिंह,संजीव कुमार, विशंभर सिंह, क्रांति देवी आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कृषक उत्पादन संगठन (एफपीओ) के साथ बैठक हुई संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में कृषक उत्पादन संगठन (एफपीओ) के साथ बैठक संपन्न हुई। जिसमें जनपद के एफपीओ के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पिछले 03 माह में कृषक उत्पादन संगठन की उपलब्धियां जानी गई और किस प्रकार से विभागीय सहयोग द्वारा एफपीओ को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है,इस पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा एफपीओ को वैल्यू एडीशन करने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी किसानों से

ऑर्गेनिक तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने ब्लॉक में बनाए गए आजीविका दीदी मार्ट पर भी उनके द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों को बिक्री करने के लिए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कृषि विभाग, उद्योग विभाग, पशुपालन, उद्यान विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कहा कि कृषि उत्पादक संगठन भी लगातार संबंधित विभागों के संपर्क में रहकर विकास करें। जिलाधिकारी द्वारा किसानों से अपील की गई कि वह अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके सीधे उपभोक्ताओं को विक्रय करें। जैविक खेती को अपनाएं और अधिक लाभ अर्जित करें। उन्होंने सुझाव दिया कि किसान अपने उत्पादन को कच्चे रूप में बेचने के बजाय मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) पर ध्यान दें। उदाहरणस्वरूप, टमाटर से सूप या केचप, मशरूम से आचार या पाउडर तथा अन्य फसलों से प्रसंस्कृत उत्पाद बनाकर बेचें। इससे न केवल उनकी आय में कई गुना वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन होगा तथा प्रदेश एवं देश का समग्र विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, एलडीएम, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त सहित संबंधित अधिकारी एवं एफपीओ से जुड़े किसान बंधु उपस्थित रहे।

महिला उत्पीड़न की समस्याओं का होगा समाधान

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग मानव अधिकार, भवन (तृतीय तल) गोमती नगर लखनऊ के द्वारा 07 जनवरी 2026 दिन बुद्धवार को महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं विषयक जागरूकता चौपाल तथा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की

सदस्या, संगीता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाना निर्धारित है। अतः उक्त के कम में महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं विषयक जागरूकता चौपाल तथा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम 07 जनवरी 2026 को विकास भवन सभागार, अमरोहा में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्या संगीता जैनं द्वारा उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर जनसुनवाई के साथ-साथ विगत माह में महिला उत्पीड़न की घटनाओ की समीक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

अमरोहा में कड़कती ठंड में जरूरतमंदों को बांटे लिहाफ

अमरोहा (सब का सपना):- सर्दियों की कड़कती ठंड ने उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले लिया है। ऐसे में गरीब और जरूरतमंद लोग ठंड से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अमरोहा शहर की फ्रेंड्स कॉलोनी में एक विशेष लिहाफ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मानवता और समानता की भावना पर आधारित संस्था (WORK) World Organisation of Religions & Knowledge के सहयोग से डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जन जागृति समिति

अमरोहा द्वारा आयोजित किया गया।इस संस्था का मूल मंत्र है कि सभी मानव एक समान हैं और जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर मानव कल्याण किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न मुहल्लों से चयनित 60 जरूरतमंद लोगों को गर्म लिहाफ वितरित किए गए। इन लिहाफों से ठंड में ठिठुर रहे गरीबों को राहत मिली और उनके चेहरों पर खुशी झलक उठी।कार्यक्रम में संगठन के सदस्यों के अलावा कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इनमें डॉक्टर मुनेंद्र मोहन (अध्यक्ष, संत रविदास जन्मोत्सव समिति अमरोहा), वरण सिंह, महेश कुमार योगाचार्य, देवेंद्र कुमार भगत जी (सभासद), देवेश कुमार (सभासद), जयप्रकाश (अध्यक्ष, बामसेफ), एडवोकेट नितिन कुमार, कपिल देव, इंजीनियर जॉनी कुमार, अंकित कुमार आदि शामिल थे। सभी ने मिलकर लिहाफ वितरित किए और जरूरतमंदों का हौसला बढ़ाया।इस तरह के आयोजन समाज में मानवता की मिसाल कायम करते हैं और ठंड के मौसम में असहाय लोगों को सहारा प्रदान करते हैं। डॉ. अम्बेडकर जन जागृति समिति जैसे संगठन सामाजिक समानता और कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

भाकियू लोकशक्ति ने एसडीएम को सौंपा ग्यारह सूत्रीय ज्ञापन

ओवरलोडिंग,आवारा पशुओं व चकबंदी में गड़बड़ी पर त्वरित कार्यवाही की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम 11 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम विभा श्रीवास्तव को सौंपा। इस ज्ञापन में किसानों ने ओवरलोडिंग ट्रैकों ,जंगलों में आवारा पशुओं की समस्या एवं सोनभद्र जिले के भैंसवार गांव में चकबंदी प्रक्रिया में हुई कथित अनियमिताओं पर त्वरित कार्यवाही की मांग की गई। इस दौरान यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारी सुमित नगर ने बताया कि ओवरलोड गन्नों ट्रैकों के कारण सड़कों का काफी नुकसान हो रहा है और दुर्घटनाओं का भी खतरा बढ़ रहा है ,उन्होंने शहर में व्याप्त गंदगी और आवारा पशुओं की

समस्या के समाधान की मांग की। सुमित नागर ने चकबंदी अधिकारियों पर प्रक्रिया में गंभीर अनियमिताएं करने का आरोप लगाया ,उन्होंने कहा कि सोनभद्र में इस मामले को लेकर लंबे समय से शांतिपूर्ण धरना चल रहा है लेकिन जिला प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की है ,किसान नेताओं ने सरकार से मामले का संज्ञान लेने और निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त ज्ञापन में यमुना एक्सप्रेस वे पर किसानों को तत्काल मुआवजा देने और नए भूमि अधिग्रहण प्रावधानों के तहत 20% विकसित भूमि किसानों को देने की मांग की गई, गौतम बुद्ध नगर सहित अन्य जिलों में सर्किल रेट बढ़ाने और चकबंदी में पारदर्शिता लाने की मांग भी शामिल थी। ज्ञापन में उपभोक्ताओं के घरों पर जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध और बिजली निजीकरण के खिलाफ भी आवाज उठाई गई है। इस मौके पर सुमित नगर ,रणवीर यादव ,संजय प्रजापति, देवेंद्र सिंह ,जय सिंह ,सौरभ, हिमांशु, रवि कुमार, सतनाम ,संतोष देवी, उदयवीर सिंह, भूपेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र यादव, नीरज यादव ,अशोक, हिमांशु नागर, जितेंद्र सिंह, कोशिंदर सिंह, आनंद, अनुराग सहित करीब दो दर्जन से भी अधिक किस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमरोहा में दो खनन माफिया गिरफ्तार,जेल पहुंचने पर खनन माफियाओं ने हाथ जोड़कर मांगी माफी

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में खनन माफिया के खिलाफ पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो खनन माफियाओं को गिरफ्तार किया है और जनपद न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तार दोनों खनन माफिया पर खनन अधिकारी से अभद्रता और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न के आरोप लगे हैं। बता दें कि पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अवैध खनन से लदी ट्रैक्टर ट्राली को खनन अधिकारी के सामने दबंगई दिखाते हुए तेज रफ्तार में दौड़ा कर ले जा रहे थे ,जब खनन अधिकारी ने इनका पीछा किया तो ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई ,इसके बाद मौके

पर पहुंचे अन्य खनन माफियाओं ने खनन अधिकारी के सामने ही ट्रैक्टर ट्राली लेकर फरार होने की कोशिश की। घटना की जानकारी मिलते ही डिडौली पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया, बताया जा रहा है कि जेल पहुंचने के बाद आरोपियों ने हाथ जोड़कर माफी मांगी। पुलिस ने मौके से अवैध खनन में प्रयुक्त ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त कर लिया है ,गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नफीस और आरिफ थाना डिडौली के रूप में हुई है। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया है। ऐसे मामले में खनन अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि जनपद में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मिट्टी ,बालू या अन्य खनिजों के नियमों का उल्लंघन कर दोहन करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाएगी ।इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है जबकि आम लोगों ने पुलिस की इस सख्त कार्यवाही की प्रशंसा की है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से परिवहन विभाग का सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के पांचवें दिन परिवहन विभाग ने अनोखी पहल की। सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। ये नाटक गुरु गोविंद सिंह चौक, बंबूगढ़ चौराहा, गांधी मूर्ति चौराहा और आरटीओ कार्यालय में आयोजित हुए।मेरठ जनपद की सुरभि एनजीओ की कलाकार टीम ने प्रभावी प्रस्तुति दी। नाटक में संदेश था कि यातायात नियम तोड़ने पर चालान से सिफारिश से बच सकते हो, लेकिन दुर्घटना में यमराज के सामने कोई सिफारिश नहीं चलेगी। कलाकारों ने मुंबई के प्रसिद्ध अभिनेताओं की आवाज में संदेश देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने माइक संभालकर अपील की कि जीवन और परिवार आपका है,

लेकिन इसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है। विभाग की मुहिम में साथ दें और नियमों का पालन कर दुर्घटनाएं कम करें। समाजसेवी अनिल जग्गा ने सड़क सुरक्षा पर गीत गाकर श्रोताओं को मोहित किया। कार्यक्रम में बिना हेलमेट वाहन चालकों को रोका गया, जागरूक किया गया और हैंडबिल वितरित किए गए। यातायात पुलिस के टीएसआई दिनेश कुमार, रोडवेज के एआरएम केसी गौड़, स्टेशन इंचार्ज मोहम्मद साजिद सहित शहर के नागरिक उपस्थित रहे।

श्री राम सांस्कृतिक कला परिषद द्वारा किया गया धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

नन्हें मुन्नों ने धार्मिक प्रस्तुतियों से मोहा सबका मन, स्व. कृष्णा शर्मा की स्मृति में हुआ कार्यक्रम

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- श्री राम सांस्कृतिक कला परिषद के अध्यक्ष अशोक शर्मा द्वारा अपने पुत्र स्व. कृष्णा शर्मा की पावन स्मृति में सोमवार को एक भव्य धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर के विभिन्न स्कूलों और क्षेत्रों से आए नन्हें-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चंदौसी नगर पालिका की अध्यक्ष लता वार्ष्णेय एवं डॉ भीमराव अम्बेडकर जूनियर हाई स्कूल की प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। लता वार्ष्णेय ने बच्चों के हुनर की सराहना करते हुए कहा कि

ऐसे आयोजनों से बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति प्रेम और जुड़ाव पैदा होता है। आशा गोस्वामी ने स्वर्गीय कृष्णा शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिषद के इस प्रयास को प्रेरणादायक बताया। सांस्कृतिक रंग और संचालन प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने देवी-देवताओं के स्वरूप धरकर धार्मिक भजनों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। निर्णायक की भूमिका में विचित्रा गुप्ता, नताशा वार्ष्णेय एवं आशा गोस्वामी रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम निहारिका वार्ष्णेय, द्वितीय मिश्का अग्रवाल एवं तृतीय स्थान पर इशानी वार्ष्णेय रही। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन सर्वेश चीनी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी ओजस्वी वाणी से कार्यक्रम में उत्साह बनाए रखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में परिषद के सक्रिय सदस्यों का विशेष सहयोग तथा योगदान रहा, जिनमें मुख्य रूप से पद्मिनी शर्मा, टीटू शर्मा, विकास कुमार मिश्रा (एडवोकेट), लकी शर्मा, सीमा मिश्रा और आदित्य शंखधार आदि शामिल रहे। सभी अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। अध्यक्ष अशोक शर्मा ने अंत में सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य बच्चों को कला के माध्यम से धर्म और संस्कारों से जोड़ना है।

चिकन मीट शॉप का पंजीकरण निलंबित, धार्मिक स्थल से दूरी नहीं होने पर कार्रवाई

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जनपद में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण अभियान के तहत सोमवार को जोया रोड, शहबाजपुर खुर्द स्थित मोहम्मद जाकिर की चिकेन मीट शॉप पर छापा मारा। निरीक्षण में कई अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद जनहित और लोक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दुकान का खाद्य पंजीकरण तत्काल निलंबित कर दिया गया और कारोबार बंद कराया गया। विभागीय सूत्रों के अनुसार, दुकानदार द्वारा प्राप्त पंजीकरण में अंकित स्थान से अलग जगह पर मीट शॉप का संचालन किया जा रहा था। इसके अलावा, प्रतिष्ठान धार्मिक स्थल से उचित दूरी पर नहीं था। दुकान का संचालन खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 तथा नियम-2011 की अनुसूची-4 के प्रावधानों का पालन नहीं कर रहा

था। खाद्य सुरक्षा टीम ने दुकानदार को नोटिस जारी कर 14 दिनों के अंदर जवाब या स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण टीम में सहायक आयुक्त खाद्य मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह और अशोक कुमार शामिल रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ निरीक्षण अभियान जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और मानक अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

डीएम और एसपी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

संभल (सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में तहसील सम्भल के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का समय से निस्तारण किया जाए ताकि शिकायतकर्ता बार बार शिकायत लेकर सरकारी

कार्यालयों में ना आये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शिकायतकर्ता की शिकायत को गम्भीरता से सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए जिससे शिकायतकर्ता संतुष्ट हो सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थानाध्यक्ष एवं राजस्व से संबंधित अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में भूमि से संबंधित टॉप टेन मामलों को चिन्हित कर शीघ्र ही निस्तारित करें। अरिल नदी के जीर्णोद्धार के लिए अभूतपूर्व कार्य करने वाले एवं अवैध कब्जा हटवाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 4 लेखपालों को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित रहने पर प्रभागीय वनाधिकारी, एलडीएम तथा जीएमडीआईसी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत का निस्तारण शीघ्र एवं निचले स्तर पर कर दिया जाए। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक भाटी,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक,उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज ,तहसीलदार सम्भल धीरेन्द्र सिंह, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारी एकता महासम्मेलन की तैयारियां शुरू

नगर पालिका अध्यक्ष ने दिया पूरा सहयोग का आश्वासन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ की ओर से आयोजित होने वाले वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारी एकता महासम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस महासम्मेलन में अधिक से अधिक सफाई कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संघ के पदाधिकारियों ने बहजोई नगर पालिका के कर्मचारियों और शहर के सम्मानित वाल्मीकि समाज के लोगों से मुलाकात की तथा उन्हें महासम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस दौरान बहजोई नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष

राजेश शंकर राजू ने निमंत्रण को स्वीकार करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बहजोई से सफाई कर्मचारी अच्छी संख्या में महासम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों के आने-जाने की पूरी व्यवस्था चेयरमैन की ओर से की जाएगी। मुलाकात में प्रदेश संगठन मंत्री कैलाश चंद चटवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिवकुमार, जिला कोषाध्यक्ष अनिल राधे गुड्डू, जिला महामंत्री विशाल वाल्मीकि, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा रिमझिम वाल्मीकि, नगर अध्यक्ष बहजोई ऋतू चौहान, राजू राजोरिया, सनी चौहान, गीता सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह महासम्मेलन वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारियों की एकजुटता और उनके हितों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। संघ के पदाधिकारियों ने सभी से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।
बैठक के अन्तर्गत पूर्व जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के बिन्दुओं पर क्या अनुपालन हुआ उस पर चर्चा की गयी। जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एफआरयू,तथा एचएमआईएस पोर्टल पर एएनसी जांच, प्रसव तथा टीकाकरण, आरसीएच फीडिंग, सीएचओ द्वारा ई संजीवनी ओपीडी स्थिति विकास खण्ड वार पर चर्चा की गयी। ई कवच पर आभा आईडी तथा ई

कवच पर सैम बच्चों को लेकर भी चर्चा की गयी। वीएचएसएनडी सत्र, आशा कलस्टर मीटिंग, वैक्सीन अपडेशन, जीरो वैक्सीनेशन पर भी चर्चा की गयी प्रस्तुति जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर द्वारा की गई जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड की प्रगति शत प्रतिशत बढ़ाई जाए। एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा की और उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि एनआरसी केंद्र को और बेहतर बनाया जाए। एसिड अटैक को लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित किया गर्भ संस्कार को लेकर जिलाधिकारी ने विस्तार पूर्वक चर्चा की उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को गर्भ संस्कार के विषय में विस्तार पूर्वक बताएं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज बिश्नोई, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विश्वास अग्रवाल, जिला पूर्ति अधिकारी शिवी गर्ग, डॉक्टर मनोज चौधरी एवं समस्त एमओआईसी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस का यूथ फॉर इंडिया अभियान शुरू,दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन

बदायूं(सब का सपना):- जिला कांग्रेस ने युवाओं को जोड़ने और संविधान-लोकतंत्र की रक्षा के लिए 'यूथ फॉर इंडिया' अभियान की शुरूआत की घोषणा की है। आगामी 18 जनवरी को बदायूं में बड़ी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह निर्णय जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में लिया गया, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा संवाद में मुख्य वक्ता कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने युवाओं से बदलाव के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, जब-जब युवाओं ने अंगड़ाई ली है, देश की राजनीति में बदलाव आया है। सत्ताधारियों ने संविधान और लोकतंत्र पर हमला बोल दिया है। रोजगार के अवसर खत्म कर

नौजवानों को बेरोजगारी की आग में धकेल दिया है। देश की धन-संपदा, जल-जंगल-जमीन को अंबानी-अडानी जैसे चंद पूंजीघरानों के हवाले किया जा रहा है। ऐसे समय में संविधान व लोकतंत्र बचाने और समतामूलक समाज बनाने के लिए नौजवानों को आगे आना होगा। उन्होंने अभियान को पूरा सहयोग देने का वादा किया। अभियान के जिला कोऑर्डिनेटर ओमवीर दद्दा ने बताया कि हर ब्लॉक और तहसील में युवा संवाद आयोजित किए जाएंगे। युवाओं को कांग्रेस से जोड़ा जाएगा और हर गांव में कैंप लगाकर जनता की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। जिलाध्यक्ष अनूप यादव ने कहा कि जनपद में अन्याय के खिलाफ युवा संघर्ष करेंगे। बैंक, ब्लॉक और तहसील में दलाली व लूट बंद कराई जाएगी। अध्यक्षमंडल सदस्य प्रमोद पाल ने घोषणा की कि हर ब्लॉक में खेल प्रतियोगिताएं होंगी और 18 जनवरी को बदायूं में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा। उन्होंने युवाओं को अभियान से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम में कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष नवनीत यादव, एक्स सर्विसमैन जिला कोऑर्डिनेटर सत्यपाल फौजी, सुरेंद्र सिंह, अनुज यादव, उर्वेश, हर्षित मिश्रा, सद्दाम हुसैन, प्रमोद, पंकज, नंद किशोर, शीतेश यादव, विपिन यादव, ब्रजेश यादव, अमित यादव, रंजीत यादव, विकास, आदेश यादव, अंकित यादव, विमल, अनुज वर्मा, सुधीर यादव, शिवम सहित सैकड़ों युवा उपस्थित रहे।

अवैध ऑपरेशन थिएटर चलाने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

हजरतनगरगढ़ी/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना हजरतनगरगढ़ी क्षेत्र में अवैध रूप से ऑपरेशन थिएटर संचालित करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मौहम्मद फरमान पुत्र अब्दुल बारी (38) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला 2 जनवरी का है जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी बहजोई के कैम्प कार्यालय में तैनात डॉ. मनोज कुमार पुत्र धर्मपाल सिंह ने थाने में तहरीर दी थी। तहरीर में कहा गया था कि उन्होंने इंडियन

हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था, जहां अभियुक्तों द्वारा बिना किसी अनुमति के ऑपरेशन थिएटर चलाया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान दो मरीजों का ऑपरेशन किया गया पाया गया, लेकिन ऑपरेशन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इस तहरीर पर थाना हजरतनगरगढ़ी में मुकदमा दर्ज किया गया था,जिसमें इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, के तहत कार्रवाई की गई। सोमवार को थाना हजरतनगरगढ़ी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर सिरसी रेलवे फाटक के पास से वांछित अभियुक्त मौहम्मद फरमान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह मामला स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितताओं और अवैध चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सख्ती का संकेत देता है, जिससे मरीजों की जान को खतरा हो सकता है।

संभल में 19 फरवरी से शुरू होगी संस्कृत बोर्ड की परीक्षा, यहां देखें समय सारिणी

संभल। जनपद में उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की ओर से संचालित संस्कृत बोर्ड की परीक्षाएं 19 फरवरी से प्रारंभ होकर 28 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। इसे लेकर परिषद द्वारा परीक्षा की समय सारिणी जारी कर दी गई है। परिषद के सचिव शिवपाल द्वारा जारी पत्र के अनुसार परीक्षाएं पूर्व मध्यमा द्वितीय से लेकर उत्तर मध्यमा द्वितीय तक की कक्षाओं के लिए

आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार ने बताया कि परीक्षाओं को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में परीक्षा केंद्र भागीरथी संस्कृत विद्यालय, नगला अजमेरी, जुनावई में बनाया गया है। परीक्षा में हाईस्कूल स्तर पर व्यक्तिगत एक एवं संस्थागत 17 परीक्षार्थी, कक्षा 11 में व्यक्तिगत सात एवं संस्थागत आठ तथा इंटरमीडिएट में व्यक्तिगत चार एवं संस्थागत 15 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ता दातागंज में उपजिलाधिकारी को सौंपेंगे जनमुद्दों पर ज्ञापन

दातागंज/बदायूं(सब का सपना):- जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले के तहसील दातागंज क्षेत्र में लंबे समय से अधर में लटके विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ने की तैयारी की है। आज दोपहर 2 बजे दातागंज तहसील कार्यालय में उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें मुढा पुख्ता पुल के पूर्ण निर्माण सहित भूमिहीनों को भूमि पट्टा, राशन कार्ड वितरण, श्रमिक कार्ड निर्माण जैसी अहम मांगें शामिल हैं। जिला अध्यक्ष अजीत यादव ने सभी कांग्रेसजनों और

शुभचिंतकों से अपील की है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में दातागंज तहसील पहुंचें। यादव ने बताया कि ज्ञापन में मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दों पर जोर दिया जाएगा। क्षेत्र के ग्रामीणों को लंबे समय से हो रही परेशानी को दूर करने के लिए पुल का शीघ्र पूरा निर्माण कार्य कराया जाए। हर भूमिहीन परिवार को कम से कम एक एकड़ कृषि भूमि का पट्टा उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। पात्र परिवारों को राशन कार्ड जारी करने और वर्तमान यूनिटों को बढ़ाने की मांग। राजमिस्त्री, बेलदार, बढ़ई, लोहार, लेंटर मजदूर सहित सभी भवन निर्माण श्रमिकों के लिए श्रम कार्ड बनवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अजीत यादव ने कहा, ये मुद्दे न केवल दातागंज तहसील बल्कि पूरे जिले के आमजन की पीड़ा को दर्शाते हैं। सरकार की उदासीनता के कारण विकास कार्य ठप पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को रोजमर्रा की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। कांग्रेस पार्टी इन जनमुद्दों को विधिवत तरीके से उठाकर जनता के हक की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस कार्यकताओं का यह कार्यक्रम क्षेत्रीय स्तर पर पहला कदम है। सभी कार्यकताओं से अपेक्षा की गई है कि वे समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को भव्य रूप देकर सफल बनाएं। ज्ञापन सौंपने के बाद कार्यकर्ता क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा भी करेंगे। इस आयोजन में जिला स्तर के अलावा तहसील स्तरीय नेता भी शामिल होंगे।

बिजली चोरी के खिलाफ बड़ा अभियान, डीएम-एसपी खुद मैदान में उतरे

संभल(सब का सपना):- जिले में बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में थाना रायसत्ती, नखासा और हयातनगर क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान घरों, दुकानों और अन्य स्थानों पर अवैध बिजली कनेक्शन की जांच की गई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने अभियान में भारी पुलिस बल तैनात रखा ताकि कोई व्यवधान न हो। अभियान में अपर

पुलिस अधीक्षक (उत्तरी), क्षेत्राधिकारी संभल व असमोली, बिजली विभाग की टीम और नगर निगम की टीम भी मौजूद रही। यह अभियान संभल में बिजली चोरी रोकने की चल रही मुहिम का हिस्सा है, जिससे विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा था। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

आईआरसीटीसी घोटाला मामला: लालू यादव की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में आरोप तय करने के निर्णय के खिलाफ पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की अपील याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई से जवाब मांगा है। कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। इस मामले पर अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी। लालू यादव ने आईआरसीटीसी घोटाला मामले में उनके साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव और 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय करने के निर्णय को चुनौती दी है।

दो मर्डर करके आ रहे हैं, अब तीसरा करना है, बाहरी दिल्ली में पुलिस को खुली चुनौती दे रहे बदमाश

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के जहांगीरपुरी में दो जनवरी को हुई चाकूबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। अब एक और नया वीडियो सामने आया है, जिसमें चाकूबाजी करने वाले बदमाशों ने खुद अपना वीडियो बनाया और उसमें खुलेआम बोलते नजर आ रहे हैं कि भाई दो मर्डर करके आ रहे हैं। तीसरा भी करना है। बताया गया कि वारदात के बाद से सभी बदमाश फरार हैं। अब ये वीडियो पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। जहांगीरपुरी में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं है। जहांगीरपुरी में इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर आए दिन वायरल होते रहते हैं।

'मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगी, पत्नी के इनकार से दुखी पति ने ससुराल में फंदा लगाकर कर ली आत्महत्या

दक्षिणी दिल्ली। बदरपुर स्थित गौतमपुरी के बीआईडब्ल्यू कैंप में मायके में रह रही पत्नी को लेने आए एक व्यक्ति ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पत्नी ने पति संग जाने से मना कर दिया था। मूलरूप से बुलंदशहर का रहने वाले 32 वर्षीय अजब सिंह का आठ साल पहले पुष्पा से विवाह हुआ था। विवाह के बाद इनके दो बच्चे भी हुए। करीब दो महीने पहले पुष्पा का पति से झगड़ा हो गया। नाराज होकर वह बीआईडब्ल्यू कैंप में रह रहे अपने माता पिता के पास चली आई। शनिवार को अजब सिंह पुष्पा को लेकर गौतमपुरी पहुंच गया। जब वह यहां पहुंचा तो उसकी पत्नी घर नहीं मिली। उसने फोन पर पत्नी से बातचीत की तो उसने कहा कि वह कहीं बाहर है और उसके साथ नहीं जाना चाहती है। यह बात सुनने के बाद अजब ने अपनी ससुराल में खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। उसके सास-ससुर ने सोचा कि दामाद सो गया है। सुबह जब दरवाजा नहीं खोला तो उन्होंने खिड़की से झांककर देखा, वह छत के पंखे से लटका हुआ था। रविवार सुबह नौ बजे बदरपुर पुलिस को इस घटना की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर अजब को पंखे से नीचे उतारा। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। किसी के विरुद्ध कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

रोहिणी में आबकारी विभाग का छापा, फिल्मी स्टाइल में शराब तस्करों का पीछा कर 250 पेटी शराब जब्त

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र स्थित रोहिणी सेक्टर-28 में रविवार देर रात आबकारी विभाग की टीम ने फिल्मी स्टाइल में शराब तस्करों को पकड़ने की कोशिश की। दो गाड़ियों में अवैध शराब भरकर हरियाणा से दिल्ली लाई गई थी। टीम ने आरोपितों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने स्पीड बढ़ा दी। आबकारी विभाग ने चार गाड़ियों से आरोपितों को पीछा किया। इस दौरान एक गाड़ी को टक्कर मारकर उन्हें रोक लिया। दोनों गाड़ियों में सवार चार तस्कर गाड़ियां छोड़कर पास के जंगल में भाग गए। दोनों गाड़ियों से 250 पेटी शराब बरामद हुई है। आबकारी विभाग की शिकायत पर शाहबाद डेरी थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपियों का पता लगा रही है।

दिल्ली के इस डिपार्टमेंट में भ्रष्टाचार खत्म करना सरकार के लिए चुनौती, 3 साल में 5 अधिकारी रिश्वत लेते धरे गए

नई दिल्ली। दिल्ली के सब-रजिस्ट्रारों से विवाद दूर नहीं हो पा रहा है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर पिछले तीन साल में पांच पर कार्रवाई हो चुकी है। दो को तो सीबीआई ने ही रिश्वत मामले में दबोच लिया। एक मामले में कार्यालय के बाहर सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए डीड राइटर दलाल के बाद सब-रजिस्ट्रार को पद से हटाया गया और अब कापसहेड़ा के सब-रजिस्ट्रार को भ्रष्टाचार के मामले में निलंबित किया गया है। इन मामलों को देखते हुए अब दिल्ली सरकार ने निर्देश दिया कि इनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप मिलने पर गंभीरता से जांच की जाए और बगैर देर किए सख्त कार्रवाई की जाए। महिला अधिकारी नियुक्त कीं, वे भी रिश्वत लेते पकड़ी गईं बता दें कि सब-रजिस्ट्रार के पद की इतनी अहमियत रही है कि इस पद पर लगने के लिए पूर्व में अधिकारी पहुंच का इस्तेमाल करते रहे हैं। इन सबके बीच दिल्ली में ये पद उस समय चर्चा में आ गए थे, जब पूर्व की सरकार के समय 22 दिसंबर 2022 को दिल्ली के सभी 22 सब रजिस्ट्रार पदों पर महिला अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी। माना गया था कि महिला अधिकारियों की नियुक्ति के बाद जनता के काम आसानी से हो सकेंगे और इन कार्यालयों से भ्रष्टाचार दूर होगा। दरअसल इस व्यवस्था से कुछ माह पहले ही सब-रजिस्ट्रार को लेकर दो बड़े विवाद हुए थे। पहले 24 जून 2022 को हौज खास क्षेत्र के सब-रजिस्ट्रार को एक निजी व्यक्ति की मिलीभगत से डीडीए की प्राइम लोकेशन की भूमि को ट्रांसफर करने के लिए राजस्व रिकॉर्ड की जालसाजी से जुड़े गंभीर कदाचार और भ्रष्टाचार के मामले में निलंबित किया गया था। इस मामले में इस क्षेत्र के रिकार्ड रूम प्रभारी और कानूनगो रमेश कुमार को भी निलंबित किया गया था। बाहर का शख्स रखकर चलता है रिश्वत का खेल वहीं 22 सितंबर 2022 को नजफगढ़ के सब-रजिस्ट्रार को सीबीआई ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना के बाद से व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत दिए गए थे। मगर महिला अधिकारियों की तैनाती को उस समय झटका लगा जब मई 2023 में लिबासपुर के सब रजिस्ट्रार पद पर तैनात महिला अधिकारी को सीबीआई ने रिश्वत मामले में गिरफ्तार कर लिया था।

'दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को मिले कड़ी सजा', सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोलीं उट रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली को हिंसा की ओर धकेलने के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े बड़े षड्यंत्र मामले में खालिद और इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन पांच अन्य आरोपियों को राहत दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन वी अंजारी की पीठ ने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत खालिद और इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। रेखा गुप्ता ने कहा,"हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। अदालत ने दिल्ली दंगों के मामले में आरोपी शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।" राजनीतिक पार्टियों को कड़ा संदेश जाना चाहिए: रेखा गुप्ता उन्होंने कहा कि दंगों में शामिल लोगों का समर्थन करने वाली राजनीतिक

पार्टियों को कड़ा संदेश भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपराध में भागीदार थीं। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने इस बात की पुष्टि की है कि दंगे एक सुनियोजित साजिश का परिणाम थे। उन्होंने कहा, "दिल्ली की जनता के खिलाफ एक सोची-समझी साजिश रची गई थी। आज के फैसले से यह एक बार फिर साबित हो गया है।" साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: कपिल मिश्रा उन्होंने आगे कहा कि इस फैसले से स्पष्ट संदेश मिलता है कि इस तरह की साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अदालत का यह आदेश देश के खिलाफ काम करने वालों के लिए एक मिसाल बनेगा।सूद ने कहा, "सरकार का विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन राष्ट्र का विरोध करना अलग बात है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग देश के खिलाफ काम करने के आरोपी लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाते हैं।" दंगाइयों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए: मनजिंदर सिंह सिरसा दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दंगाइयों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में फैसला सुनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "भारतीय जनता पार्टी के शासन में दंगा करने वाले जेल में ही रहेंगे। किसी को भी अशांति फैलाने या जान लेने का अधिकार नहीं है।" उन्होंने कहा कि ऐसे फैसले भविष्य में हिंसा को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोग मारे गए और 700 से अधिक लोग घायल हुए।

शरजील इमाम और उमर खालिद पर 'सुप्रीम' फैसले को विहिप ने सराहा, रखी ये बड़ी मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2020 दिल्ली दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने सोमवार को कहा कि उनके खिलाफ आपराधिक साजिश में शामिल होने के पर्याप्त सबूत हैं। इन आरोपियों की जमानत की अपील पर भी अब सर्वोच्च ने एक वर्ष के लिए रोक लगा दी है। विहिप ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की सराहना करते हुए भारत विरोधी टुकड़े-टुकड़े गैंग की वकालत करने वाले अंतरराष्ट्रीय मित्रों से माफी की मांग की है। हाल ही में अमेरिका के सांसदों के एक समूह और न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी ने उमर

खालिद के पक्ष में पोस्ट के साथ ही भारतीय राजनयिक को पत्र लिखा था, जिस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। वहीं, सोमवार को जमानत मामले पर सुनवाई के दौरान पुलिस ने इसे राज्य को अस्थिर करने की सुनियोजित साजिश बताया था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, भी यह कोई अचानक हुआ प्रदर्शन नहीं था, बल्कि देश को अस्थिर करने की सुनियोजित साजिश थी, जिसका उद्देश्य सरकार को अस्थिर करना और आर्थिक नुकसान पहुंचाना था। विहिप ने कहा कि इस मामले में न्यायालय द्वारा यह कहा जाना कि उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ ऐसे सबूत मौजूद हैं, जिससे उनके साजिश में शामिल होने की पुष्टि होती है, के बाद तो अब इनके अंतरराष्ट्रीय जिहादी मित्रों को इनका साथ और समर्थन देने पर भारत और उसके सर्वोच्च न्यायालय से क्षमा याचना करनी ही चाहिए।
विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि उन्हें भारत विरोधी अपराधियों का साथ देने और हमारे देश के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने से बाज आना चाहिए। फरवरी 2020 में पूर्वी दिल्ली में हिंदुओं पर सुनियोजित षड्यंत्र के तहत हुए प्राणघातक हमलों में 53 लोग मारे गए और 250 से अधिक घायल हो गए थे।

दिल्ली के भूजल में 'यूरेनियम' का जहर, किडनी और नर्वस सिस्टम को कर देगा तबाह; सामने आई चौंकाने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में पीने के पानी को लेकर एक गंभीर और चौंकाने वाला खतरा सामने आया है। राजधानी के कई इलाकों के भूजल में सुरक्षित सीमा से अधिक यूरेनियम पाए जाने से न सिर्फ किडनी और हड्डियों पर, बल्कि सीधे दिमाग, नर्वस सिस्टम और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या धीरे-धीरे बढ़ रही है और बिना किसी तात्कालिक लक्षण के लाखों लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है, जिससे दिल्ली एक साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी की ओर बढ़ रही है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में लिए गए 103 भूजल नमूनों में से 13 नमूनों यानी 12.63 प्रतिशत में यूरेनियम की मात्रा तय सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक पाई गई है। इसका

अर्थ यह है कि हर आठ में से लगभग एक नमूना दूषित है। उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली, पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के साथ-साथ रोहिणी, बवाना औद्योगिक क्षेत्र और नांगलोई-राजपुरा जैसे इलाकों में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक यूरेनियम युक्त पानी का सेवन केवल किडनी या हड्डियों तक सीमित नुकसान नहीं करता, बल्कि यह पूरे नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। इससे दिमागी कार्यक्षमता, याददाश्त, एकाग्रता और मानसिक संतुलन पर गहरा असर पड़ता है। समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो इसके दीर्घकालिक परिणाम बेहद भयावह हो सकते हैं। साइलेंट किलर बन रहा यूरेनियम यूरेनियम को ह्यसाइलेंट किलर इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह शरीर में धीरे-धीरे जमा होता है और शुरूआत में कोई स्पष्ट लक्षण नजर नहीं आते। एम्स के इंटरनल मेडिसिन विभाग के डॉ. हर्षल आर. सावले के अनुसार, यूरेनियम से होने वाली न्यूरोटाक्सिसिटी तंत्रिका-तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। इसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है, जिससे याददाश्त कमजोर होती है, सीखने की क्षमता घटती है और मूड डिस ऑर्डर की समस्या बढ़ती है। शरीर में जमा यूरेनियम नर्व सिग्नलिंग को बाधित करता है, जिससे तनाव, चिंता और अवसाद का खतरा बढ़ जाता है। क्या है सुरक्षित सीमा पेयजल मानकों के अनुसार, पानी में यूरेनियम की सुरक्षित सीमा 30 माइक्रोग्राम प्रति लीटर (30 पीपीबी) तय की गई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में यह मात्रा 59 पीपीबी तक दर्ज की गई, जबकि 13 नमूनों में यूरेनियम 30 पीपीबी से अधिक पाया गया।

दिल्लीवासियों को फिलहाल ठंड से राहत नहीं, आईएमडी का अलर्ट! अगले दो दिन तक शीतलहर के आसार

नई दिल्ली। सर्द और गलन वाले मौसम के बीच इस सप्ताह दिल्ली के तापमान में उतार चढ़ाव का दौर देखने को मिलेगा। कभी अधिकतम व न्यूनतम तापमान में कुछ कमी दर्ज की जाएगी तो कभी थोड़ी वृद्धि। अगले 24 घंटों के दौरान आसमान साफ रहेगा और फिलहाल कोहरा भी अधिक परेशान नहीं करेगा। राजधानी दिल्ली में अलगे दो दिन तक शीतलहर जौसा स्थिती बनी रह सकती है। रविवार को न्यूनतम तापमान में आधा डिग्री की वृद्धि जबकि अधिकतम में दो डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई।

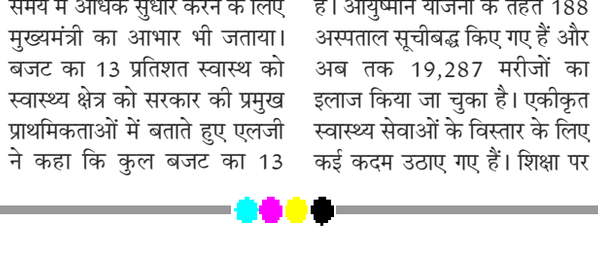

न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि औसत से 0.5 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 2.0 डिग्री अधिक है। हवा में नमी का स्तर 100 से 71 रहा। दिल्ली के कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहा वहीं कहीं कहीं अधिकतम तापमान सामान्य रहा। मध्यम श्रेणी का कोहरा छाने का पूवार्नुमान मौसम विभाग ने सोमवार को हल्के से मध्यम श्रेणी का कोहरा छाने का पूवार्नुमान लगाया है। अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले सप्ताह भर के दौरान अधिकतम तापमान 18 से 21 डिग्री के बीच जबकि न्यूनतम तापमान आठ से 10 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं।

हंगामे के साथ शुरू हुआ दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र, एएपी के चार विधायक निलंबित; क्या बोले एलजी?

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत सोमवार को हंगामे के बीच हुई। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रगान के साथ सदन की कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन आप विधायकों के हंगामे के चलते संजीव झा, कुलदीप कुमार, जरनैल सिंह और सोमदत्त को सदन से बाहर कर दिया गया। एलजी ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां इसके बाद एलजी वीके सक्सेना ने सदन को संबोधित करते हुए दिल्ली सरकार की नीतियों, सुधारों और उपलब्धियों का विवरण रखा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस बार पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का बजट पास किया है। प्रशासनिक सुधारों के तहत 75 डिजिटल सेवाएं शुरू की गई हैं और ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है। एलजी ने बताया कि व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए 21 वर्षों से व्यापारियों के लिए अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। साथ ही, मौजूदा श्रम कानूनों को समाहित करते हुए श्रम संहिताएं लागू की गई हैं। उन्होंने कम समय में अधिक सुधार करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। बजट का 13 प्रतिशत स्वास्थ को स्वास्थ्य क्षेत्र को सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में बताते हुए एलजी ने कहा कि कुल बजट का 13

प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित किया गया है, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में सर्वाधिक है। आयुष्मान योजना के तहत 188 अस्पताल सूचीबद्ध किए गए हैं और अब तक 19,287 मरीजों का इलाज किया जा चुका है। एकीकृत स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। शिक्षा पर बोलते हुए एलजी ने कहा कि सरकार गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए प्रयासरत है। कक्षा 9 से 12 तक स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था की जा रही है। खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल प्रोत्साहन राशि को दोगुने से भी अधिक कर दिया गया है। बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडिचर को दोगुना करते हुए 28 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के क्रम में मेट्रो फेज-4 के लिए 3,300 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई है। जलभराव से निपटने को ड्रेनेज मास्टर प्लान एलजी ने कहा कि जलभराव दिल्ली की एक पुरानी समस्या रही है, जिसे दूर करने के लिए अन्य उपायों के साथ ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। राजधानी में 100 में से 45 अटल कैंटीन शुरू की जा चुकी हैं, जबकि शेष को भी जल्द शुरू किया जाएगा। यमुना की सफाई को लेकर उन्होंने बताया कि नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं, पुराने एसटीपी की क्षमता बढ़ाई जा रही है और नालों का प्रदूषित पानी सीधे नदी में गिरने से रोका जा रहा है। पीएम स्वामित्व योजना के तहत दिल्ली में पहली बार लालडोरा क्षेत्र में रहने वालों को स्वामित्व का अधिकार दिया जाएगा। जनता की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए ह्यदिल्ली मित्र एपह्ल की परिकल्पना की गई है। ग्रेप के दौरान प्रभावित होने वाले निर्माण श्रमिकों को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार पूरे साल की योजना पर काम कर रही है। पीपीपी मॉडल पर होलम्बी कलां में दिल्ली का पहला ई-वेस्ट प्लांट लगाने की दिशा में प्रयास जारी हैं। इसके अलावा एक व्यापक सड़क पुनर्विकास योजना पर भी काम किया

7लंबी दूरी की ट्रेनों की चाल सुधरी पर दिल्ली के लोकल यात्री परेशान, जबलपुर सुपरफास्ट 7.5 घंटे लेट

नई दिल्ली। लंबी दूरी की ट्रेनों की चाल में कुछ सुधार, लेकिन लोकल यात्रियों की परेशानी बरकरार है। पिछले दिनों की तुलना में सोमवार सुबह देरी से चलने वाली ट्रेनों की संख्या में कमी आई है। पिछले दिनों 50 से अधिक ट्रेनें दो घंटे से अधिक विलंब से चल रही थीं। सोमवार सुबह लगभग 20 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। देरी से दिल्ली पहुचंने के कारण जबलपुर सुपरफास्ट साढ़े सात घंटे और दरभंगा हमसफर विशेष ढाई घंटे और हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस एक घंटे की देरी से रवाना होगी। वहीं, कई लोकल ट्रेनें 15 मिनट से लेकर दो घंटे के विलंब से चल रही है। पानीपत-नई दिल्ली एमईएमयू दो घंटे, बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू सहारनपुर-पुरानी दिल्ली पैसेंजर एक घंटा, कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन एमईएमयू व मथुरा-गाजियाबाद ईएमयू आधा घंटे विलंब से चल रही हैं। कई अन्य लोकल ट्रेनें भी देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचेंगी।

दिल्ली एम्स के अध्ययन में डराने वाला खुलासा, आईसीयू में मरीजों को संक्रमण का अधिक खतरा; कैसे होगा इलाज?

नई दिल्ली। गंभीर मरीजों को जीवनरक्षक इलाज देने वाली आईसीयू (इंटैंसिव केयर यूनिट) अब संक्रमण के सबसे बड़े केंद्र के रूप में सामने आ रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में किए गए अध्ययन और अस्पताल आधारित निगरानी से पता चला है कि आईसीयू में भर्ती मरीजों में संक्रमण का खतरा सबसे अधिक होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, लंबे समय तक भर्ती और अत्याधुनिक उपकरणों का लगातार इस्तेमाल इस खतरे को और बढ़ा देता है। एम्स के अध्ययन से खुलासा एम्स के माइक्रोबायोलाजी एवं इंफेक्शन कंट्रोल विभाग द्वारा आईसीयू मरीजों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि अस्पताल में होने वाले संक्रमणों (हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन) का सबसे बड़ा हिस्सा आईसीयू से जुड़ा होता है। इस अध्ययन में फेफड़ों के संक्रमण (निमोनिया), मूत्र मार्ग संक्रमण, रक्त संक्रमण और ऑपरेशन के बाद होने वाले इंफेक्शन को सबसे ज्यादा गंभीर बताया गया है। वेंटिलेटर और कैथेटर बढ़ाते हैं जोखिम एम्स की माइक्रोबायोलाजी विभाग की प्रोफेसर और हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल प्रमुख डॉ. पूर्वा माथुर के अनुसार 'आईसीयू में मरीज वेंटिलेटर, यूरिन कैथेटर और सेंट्रल लाइन जैसे उपकरणों पर निर्भर रहते हैं। यही उपकरण संक्रमण के प्रवेश का सबसे बड़ा रास्ता बनते हैं, खासकर तब जब मरीज लंबे समय तक आईसीयू में रहता है।' उनका कहना है कि वेंटिलेटर से जुड़ा निमोनिया आईसीयू में होने वाले संक्रमणों में सबसे आम और सबसे घातक है। एंटीबायोटिक पर असर नहीं, इलाज बनता है चुनौती अध्ययन में यह भी सामने आया कि आईसीयू में फैलने वाले कई बैक्टीरिया सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं पर असर नहीं दिखाते। डॉ. पूर्वा माथुर बताती हैं, 'मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट बैक्टीरिया आईसीयू की सबसे बड़ी चुनौती हैं। ऐसे संक्रमणों में इलाज लंबा, महंगा और कई बार जानलेवा हो जाता है।' संक्रमण रोकने के लिए सख्त व्यवस्था जरूरी विशेषज्ञों के अनुसार, हाथों की स्वच्छता, उपकरणों की नियमित स्टरलाइजेशन, एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण इस्तेमाल और मरीजों की लगातार निगरानी से संक्रमण को काफी हद तक रोका जा सकता है। एम्स के डॉक्टरों ने सभी अस्पतालों में सख्त इंफेक्शन कंट्रोल प्रोटोकाल और नियमित आडिट लागू करने पर जोर दिया है

एचटेट रिजल्ट में खुलकर चला पर्ची-खर्ची का खेलः दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़ : जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) में परिणाम बदलकर 1284 अभ्यर्थियों को पास किए जाने का मामला पूरी तरह से संदिग्ध है और राज्य सरकार को इसकी जांच सीबीआई से करवानी चाहिए। दिग्विजय चौटाला ने एक प्रेस वार्ता में अनेक तथ्यों के साथ एचटेट घोटाले को उजागर किया और सरकार की शिक्षा एवं रोजगार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किए। साथ ही दिग्विजय चौटाला ने हरियाणा पुलिस कॉन्स्टेबल की नई भर्ती के लिए युवाओं को आयु सीमा में कम से कम तीन साल की छूट देने की मांग राज्य सरकार से की। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा में देरी के चलते पुलिस की भर्ती की तैयारी में जुटे बहुत सारे युवा आयु सीमा के दायरे से बाहर हो गए है, ऐसे में सरकार को आयु सीमा बढ़ाकर इन युवाओं को पुलिस में भर्ती होने का अवसर प्रदान करना चाहिए। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि बीती 30 और 31 जुलाई 2024 को हुए एचटेट के परिणाम में जिस प्रकार का घोटाला हुआ है, उससे बिना पर्ची और बिना खर्ची का दावा करने वाली सरकार का चेहरा पूरी तरह उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार 1284 अभ्यर्थियों के नाम परिणाम में बाद में शामिल किए गए, उनके लिए ना तो बायोमेट्रिक प्रक्रिया

अपनाई गई और न ही सरकार ने इसमें कोई पारदर्शिता रखते हुए इनके नाम उजागर किए। दिग्विजय ने इस प्रकरण को हरियाणा के युवाओं के साथ खिलवाड़ बताते हुए इसे शिक्षा जगत में सबसे बड़ा घोटाला बताया और कहा कि बोर्ड के तत्कालीन सचिव द्वारा इस परीक्षा का परिणाम पूरी तरह से पारदर्शिता से तैयार कर घोषणा की स्वीकृति के लिए बोर्ड के चेयरमैन के पास भेजा गया था मगर बोर्ड चेयरमैन ने इसे पुनः बोर्ड के पास न केवल वापिस भेज दिया बल्कि सरकार ने बोर्ड सचिव को ही तुरंत प्रभाव से बदल भी दिया। दिग्विजय चौटाला ने इस प्रकरण में मुख्यमंत्री हरियाणा से पूछा कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि समूची प्रक्रिया को कानून अनुसार तय करने के बाद भी परिणाम को संशोधित किया गया ? इसके पीछे की सरकार की मंशा क्या थी ? दिग्विजय चौटाला ने आगे कहा कि तत्कालीन सचिव के कार्यकाल के दौरान जिन एजेंसियों के मार्फत परीक्षा परिणाम तय किया गया, उन्हें बाद में बोर्ड अध्यक्ष द्वारा घोटाले को अंजाम देने के लिए सिक्योरिटी ऑडिट के नाम पर गोपनीय सचिव कार्यालय और चौथी एजेंसी के माध्यम से परिणामों में चुपके से 1284 अभ्यर्थियों के नाम भी शामिल कर दिए गए। उन्होंने सवाल पूछा कि 1284 अभ्यर्थियों को संदेह का लाभ देकर लाभान्वित किया गया जबकि शेष को इससे वंचित क्यूं रखा गया? उन्होंने कहा कि कुछ कोचिंग एजेंसियों से मिलीभगत कर इस घोटाले को अंजाम दिया है और इस पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच होनी चाहिए। दिग्विजय ने ये भी कहा कि यदि सरकार सीबीआई जांच से पीछे हटती है तो जेजेपी इस मामले को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लेकर जाएगी। जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने मौजूदा भाजपा नेतृत्व को अब तक का सबसे कमजोर शासन करार देते हुए पूछा कि उपरोक्त परीक्षा प्रक्रिया में 110 दिन क्यों लगे? उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया के बाद ही ये सब क्यों किया गया? उन्होंने मुख्यमंत्री हरियाणा से सवाल किया कि जब परिणाम पूरी प्रक्रिया अपनाने के बाद तैयार कर लिया गया तो इसे बोर्ड अध्यक्ष द्वारा क्यों रिकॉल करवाया गया? उन्होंने यह भी कहा कि रात को 12 बजे बगैर किसी पूर्व घोषणा के परिणाम को वेबसाइट पर डाल गया।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा को 2 माह में मिलेंगे 2700 नए पटवारी, इन 16 जिलों में होगा एग्जाम

चंडीगढ़ : हरियाणा में राजस्व विभाग से एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। प्रदेश में लंबे समय से चली आ रही पटवारियों की कमी जल्द दूर होने वाली है। सरकार को आगामी दो महीनों के भीतर करीब 2700 नए पटवारी मिल जाएंगे। इन पटवारियों का एक वर्षीय ट्रेनिं पूरी हो चुकी है और अब वे विभागीय परीक्षा की तैयारी में जुट गए हैं। राज्य के 16 जिलों में स्थित पटवार प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ट्रेनी पटवारियों की ट्रेनिंग अवधि पूरी हो चुकी है। नियुक्ति से पहले इन्हें विभागीय परीक्षा पास करनी अनिवार्य है, जिसके लिए राजस्व विभाग ने परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, परीक्षा 15 जनवरी से शुरू होगी। 15 से 17 जनवरी तक होगी परीक्षा राजस्व विभाग की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, 15 से 17 जनवरी तक लिखित परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जबकि 19 जनवरी को प्रैक्टिकल परीक्षा होगी। इस दौरान ट्रेनी पटवारियों को गणित, भूमि अभिलेख नियमावली (लैंड रिकॉर्ड मैनुअल) सहित अन्य विषयों के पेपर देने होंगे।इन जिलों में होगा एग्जाम यह परीक्षाएं कैथल, करनाल, सिरसा, फरीदाबाद, हिसार, रोहतक, सोनीपत, भिवानी, झज्जर, गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, पानीपत, पंचकूला और जींद जिलों के पटवार प्रशिक्षण केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। पटवारी कर चुके हैं प्रदर्शन गौरतलब है कि प्रशिक्षण पूरा कर चुके पटवारी अपनी नियुक्ति को लेकर पूर्व में कई बार प्रदर्शन भी कर चुके हैं। अब विभागीय परीक्षा पूरी होने के बाद उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो जाएगा। नए पटवारियों की नियुक्ति से प्रदेश के राजस्व कार्यों में तेजी आएगी और आम लोगों को जमीन से जुड़े कार्यों में राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम वैज्ञानिकों की किसानों को सलाहः अन्नदाता करें ये जरूरी काम, नहीं तो सब्जियां हो जाएंगी खराब

हिसार : प्रदेश के तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे चल रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर चंद्रशेखर डागर ने कहा कि

प्रदेश में धुँध का सिलसिला लगातार जारी रहेगा और तापमान में बदलाव के कोई संकेत नहीं दिख रहे। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में गहरी धुँध भी बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि दिन के तापमान में गिरावट अधिक आंकी गई है। पिछले तीन दिनों में धूप बेहद कम निकली, जिसकी वजह से कोल्ड डे की स्थिति बनी रही। आगामी दिनों में धूप निकलने की संभावना जरूर दिखाई दे रही है, जिससे सर्दी में कुछ राहत मिल सकती है। वहीं मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि प्रदेश में बारिश की अभी कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है। गेहूं की फसल में इस धुंध का सकारात्मक असर दिखाई देगा, परंतु सब्ज़ियों की फसल को थोड़ा नुकसान होने की संभावना है। किसानों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि सब्ज़ियों में हल्के पानी की सिंचाई किसान अवश्य कर दें ताकि नुकसान कम से कम हो।

सीएम फ्लाइंग का लॉन्ड्री वर्कशॉप पर छापा, मौके पर मिली भारी कमियां

फरीदाबाद : फरीदाबाद के गांव डूंगरपुर में सीएम फ्लाइंग टीम ने अवैध रूप से कपड़े धोने व सुखाने की लॉन्ड्री में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सूचना मिली थी कि यहां पर कपड़े की धुलाई व सुखाने में उपयोग किये जाने वाले कैमिकल आदि को उपयोग करने के बाद निकलने वाले गंदे पानी को खुले में छोड़ दिया जाता है व बॉयलर में लकड़ी व कपड़े को जलाया जा रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। इस सूचना पर मुख्यमंत्री उडन दस्ता द्वारा जतिन बरवाला एईई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फरीदाबाद की टीम के साथ गांव डूंगरपुर की कपड़े धोने व सुखाने की

चल रही वर्कशॉप का औचक निरीक्षण किया गया। इस वर्कशॉप पर मनोज निवासी गांव अलीपुर हाजिर मिला, जिसने बताया कि वह इस वर्कशॉप में सुपरवाइजर का कार्य करता है। इस वर्कशॉप को राहुल कनोजिया निवासी दिल्ली द्वारा चलाया जा रहा है। सीएम फ्लाइंग टीम ने जब मनोज से वैध दस्तावेज पेश करने बारे कहा तो वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इस वर्कशॉप को चलाने के लिए प्रदूषण विभाग से कोई वैध अनुमति/रजिस्ट्रेशन नहीं पेश कर पाया। मौके पर बायलर में लकड़ी जलानी पाई गई। कपड़े धोने के बाद निकलने वाले गन्दे पानी को खुले के छोड़ा जाना पाया गया। वर्कशॉप में ETP/STP लगाए हुए मिले लेकिन उपयोग में लाने नहीं पाए गए।निरीक्षण के दौरान बिजली चोरी की सूचना पर दर्शन जेई खेड़ीपुल को मौके पर बुलाया गया। जिसने बिजली विभाग के लगे ट्रांसफार्मर व वर्कशॉप में लगे उपकरणों का लोड चैक किया तो करीब 1 किलोवॉट ओवरलोड पाया जाने के सम्बंध में एलएलएम भरी गई, जिस पर नियमानुसार जुमार्ना निर्धारित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कपड़े धुलाई की वर्कशॉप पूरी तरह से अवैध चलती पाई जाने पर प्रदूषण विभाग द्वारा स्पॉट इंस्पेक्शन तैयार की व वर्कशॉप संचालक को कारण बताओ नोटिस देकर क्लोजर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

फरीदाबाद में पुरानी रंजिश खूनी संघर्ष में बदली, दोनों गुटों के 2 लोगों को लगी गोली

फरीदाबाद : फरीदाबाद जिले के डीग गांव में ग्राम पंचायत के चुनाव को लेकर चल रही पुरानी आपसी रंजिश रविवार देर रात खूनी संघर्ष में बदल गई। शराब के ठेके के पास दो गुट आमने-सामने आ गए और विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से गोलियां चलने लगीं। इस घटना में योगेंद्र यादव को तीन गोलियां लगीं, जबकि जग्गी नामक युवक एक गोली लगने से घायल हो गया। फायरिंग के बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक पहले दोनों पक्ष अपने-अपने घायलों को सेक्टर-8 स्थित सर्वोदय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात फिर से कहासुनी और झड़प हो गई। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और दोनों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। फिलहाल दोनों घायलों का उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि घायल योगेंद्र यादव का संबंध गांव के मौजूदा सरपंच पप्पू उर्फ जय सिंह यादव के परिवार से है और वह उनके भाई हैं, जबकि जग्गी सरपंच के विरोधी गुट से जुड़ा हुआ है। गांव में पंचायत को लेकर गुटबाजी काफी समय से चली आ रही है, जिसके चलते तनाव बना रहता है। ग्रामीणों के अनुसार करीब एक महीने पहले भी दोनों पक्षों के बीच लाठी-फरसा से मारपीट हुई थी, लेकिन उस समय किसी ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। इस पुराने विवाद की आग अब गोलीकांड तक पहुंच गई। पुलिस ने बताया कि वर्तमान सरपंच के खिलाफ पहले से ही संगीन मामलों में थाना सदर में केस दर्ज है, जिस पर पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश के बाद उपायुक्त ने उन्हें पद से हटाया हुआ है। फिलहाल गांव की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरपंच के तौर पर बहुमत वाले पंच के पास है। वहीं पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि थाना सदर पुलिस ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि फायरिंग में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में किशोर की पीट-पीटकर हत्या, मामूली बात से हुआ बड़ा विवाद

फरीदाबाद : फरीदाबाद की संजय कॉलोनी से 16 वर्षीय किशोर की बेरहमी से पिटाई के बाद रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना 30 दिसंबर की बताई जा रही है, जब मामूली कहासुनी के बाद कुछ युवकों ने रवि नामक किशोर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, 30 दिसंबर को संजय कॉलोनी में किसी बात को लेकर रवि की कुछ युवकों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने हाथों में लाठी-डंडे लेकर रवि पर हमला कर दिया। बेरहमी से की गई पिटाई के कारण रवि गंभीर रूप से घायल से मौके पर ही बेहोश हो गया।

घायल अवस्था में परिजन उसे फरीदाबाद के बीके सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर उसे एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। रवि ने 5 दिन तक जिंदगी और मौत से संघर्ष किया, लेकिन रविवार को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पिता की भी हो चुकी मौत बताया जा रहा है कि रवि के पिता लंबी बीमारी के निधन हो चुका है। मृतक रवि के परिवार में उसकी मां और 11 वर्षीय एक छोटी बहन ही बची हैं। परिजनों के अनुसार रवि अकेला ही परिवार का सहारा था। वह इसी साल 17 जनवरी को 17 साल का होने वाला था। 2 आरोपी गिरफ्तार रवि की मौत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हत्या की धाराओं के तहत केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले यह मामला मारपीट और लड़ाई-झगड़े की धाराओं में दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस मामले में 2 मुख्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।सीसीटीवी फुटेज में भागते दिखे आरोपी संजय कॉलोनी पुलिस चौकी के इंचार्ज ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम मामले की आगे की जांच करेगी। सीसीटीवी फुटेज में कई युवक बाइक पर फरार होते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनकी पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

यमुनानगर में धान घोटाले के मामले ने पकड़ा तूल, किसानों ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

यमुनानगर : यमुनानगर में धान घोटाले का मामला अभी तक शांत नहीं हुआ है। एक बार फिर धान घोटाले की आग सुलग उठी है। धान घोटाले को लेकर भारतीय किसान यूनियन लगातार अधिकारियों के खिलाफ

कार्रवाई की मांग कर रही है। यमुनानगर में अनाज मंडी में आज प्रदर्शन के बाद किसान यूनियन के नेता संजू गुंदियाना ने कहा कि हरियाणा में बहुत बड़ा धान घोटाला हुआ। फर्जी गेट पास काटे गए, 38 मंडी सचिवों को चार्ज शीट किया गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह यमुनानगर में भी लगभग 100 करोड़ के धान घोटाले को लेकर एफआईआर दर्ज की गई, एक गिरफ्तारी हुई। लेकिन किसी अधिकारी को गिरफ्तार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में फर्जी गेट पास काटे गए, फर्जी खरीद की गई, जिसमें अधिकारियों के हस्ताक्षर होंगे, जिम्मेवारी होगी, लेकिन किसी भी अधिकारी के खिलाफ आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। समस्या का समाधान जल्द न होने पर होगा बड़ा प्रदर्शन संजू गुंदियाना ने आरोप लगाया कि सरकार के दबाव में यह कार्रवाई रोकी गई है। इसके खिलाफ 16 जनवरी को यमुनानगर में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी का नेतृत्व हरियाणा भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि इसी तरह 23 मार्च को प्रदेश स्तरीय एक विशाल सभा पिपली में की जाएगी, जिसमें आगामी रणनीति तैयार की जाएगी।

यमुनानगर के युवक ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़कर हासिल की उपलब्धि

यमुनानगर : 1984 में पहली भारतीय महिला बछेंद्री पाल ने एवरेस्ट पर पहुंचकर विजय हासिल की थी। उसके बाद कई और लोगों के नाम इस उपलब्धि में जुड़े, लेकिन अब यमुनानगर के 27 वर्षीय युवक दुष्यंत जौहर ने बिना किसी गाइड और बिना

किसी सहायता के एक अन्य युवक के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। यमुनानगर के पुलिस स्पेशल सेल के इंचार्ज जगदीश बिश्नोई के सुपुत्र दुष्यंत जौहर ने माउंट एवरेस्ट की 5364 मीटर ऊंचाई पर पहुंचकर यह उपलब्धि हासिल की है। 153 किलोमीटर लंबे रास्ते को दो युवकों ने 11 दिनों में पूरा किया। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने युवक को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यमुनानगर में विशेष बातचीत में दुष्यंत जौहर ने बताया कि उन्होंने पूर्व में स्टेट साइकिलिंग चैंपियनशिप जीती है। कई मैराथन में हिस्सा लिया और विजय प्राप्त की। पिछले साल 90 किलोमीटर लंबे नेपाल के ट्रैक को भी उन्होंने सफलता पूरक हासिल किया। तभी उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर जाने का फैसला किया था। जिसमें उन्होंने सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि यह सफर 11 दिन का था जिसमें 8 दिन जाने में लगे और तीन दिन वापस आने में। 5364 मीटर ऊंचाई का और 153 किलोमीटर का यह सफर बेहद रोमांच से भरा था। वहीं दुष्यंत जौहर ने बताया कि उन्होंने बिना किसी गाइड और बिना किसी सहायता के एक अन्य युवक के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बताया कि उनका सपना जहां 8000 मीटर ऊंचाई तक जाने का है। वहीं साथ-साथ वह यूपीएससी की भी तैयारी कर रहे हैं, ताकि देश और समाज की सेवा कर सकें सके। अपने बेटे की उपलब्धि पर पिता स्पेशल सेल इंचार्ज जगदीश बिश्नोई और माता रामकली ने गर्व महसूस करते हुए कहा कि वह अन्य बच्चों को भी इसी तरह के काम के लिए सिख देना चाहेंगे। नशे से दूर रहे और खेलों की तरफ ध्यान रखें। दुष्यंत जौहर अब तक कई उपलब्धियां हासिल कर चुका है, आगे उसका सपना जहां यूपीएससी क्लियर करने का है। वहीं 8000 मीटर की ऊंचाई तक पैदल चलने का है, जिसके लिए वह अभी से तैयारी में जुटा है। दुष्यंत ने युवाओं से अपील की है कि वह नशे की तरफ ना पड़ कर इस तरह का नशा करें जिससे देश और समाज को फायदा मिले।

स्कूल ट्रिप में गई छात्रा की मौत का मामला गमार्या, परिजनों ने लगाए ये आरोप

कुरूक्षेत्र : शाहाबाद निजी स्कूल के साथ शिक्षण भ्रमण पर खाटू श्याम गई 16 वर्षीय छात्रा पायल की सड़क हादसे में हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। रविवार को हादसे के तीन दिन बाद जब पायल का पार्थिव शरीर सायं करीब तीन बजे उसके पैतृक गांव धंतौड़ी पहुंचा, तो शोकाकुल परिजनों ने स्कूल प्रशासन की कथित लापरवाही को बच्ची की मौत का कारण बताते हुए अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया। पायल के पिता संजीव कुमार ने कहा कि जब तक स्कूल के प्रिंसिपल उमा शर्मा, अशोक शर्मा, स्कूल शिक्षिकाएं पायल व सिमरण, वाहन चालक जयकरण सहित अन्य के खिलाफ कार्रवाई व एफआईआर दर्ज नहीं की जाती, तब तक वह शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी सुनील वत्स मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत की। उन्होंने स्कूल प्रशासन के खिलाफ लिखित शिकायत देने को

कहा। पुलिस प्रशासन के मामले की जांच के बाद कार्रवाई करने के आश्वासन के बाद करीब सवा दो घंटे की मशक्कत के उपरांत सायं पायल का अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद संजीव कुमार ने जिला पुलिस अधीक्षक को दी गई लिखित शिकायत में बताया कि उनकी बेटी पायल गांव मोरथल स्थित एक निजी स्कूल में दसवीं कक्षा की छात्रा थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सर्दी व घने कोहरे को देखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा 1 जनवरी से स्कूलों की छुट्टियां घोषित की गई थीं। इसके बावजूद स्कूल प्रशासन ने शिक्षण भ्रमण का आयोजन किया और पायल को राजस्थान के सीकर जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटू श्याम ले जाया गया। संजीव कुमार का कहना है कि उन्होंने बार-बार अपनी बेटी को भ्रमण पर भेजने से मना किया था और फीस जमा कराने में भी असमर्थता जताई थी। इसके बावजूद स्कूल की प्रिंसिपल उमा शर्मा व अशोक शर्मा स्वयं उनके घर आए और यह कहकर पायल को साथ ले गए कि उसके न जाने से ट्रिप प्रभावित हो जाएगी। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2 जनवरी को पायल का जन्मदिन था। परिजनों ने उसे जन्मदिन की बधाई देने के लिए शिक्षकों के मोबाइल नंबरों पर बार-बार फोन किया, लेकिन न तो फोन उठाया गया और न ही पायल के हादसे व मृत्यु की कोई सूचना दी गई। बाद में 2 जनवरी को चनारथल निवासी देसराज का फोन पायल के ताऊ के पास आया, जिसमें सडक हादसे में पायल की मौत की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही गांव के सरपंच गुरपाल सिंह सहित सुभाष, सतपाल, राजेश व जसवंत खाटू श्याम पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम कराया। आरोप है कि इस दौरान स्कूल प्रशासन की ओर से न तो कोई सहयोग किया गया और न ही पुलिस में हादसे की कोई शिकायत दर्ज कराई गई। संजीव कुमार ने अपनी शिकायत में स्कूल की प्रिंसिपल उमा शर्मा, अशोक शर्मा, स्कूल शिक्षिकाएं पायल व सिमरण, वाहन चालक जयकरण सहित अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि पायल 1 जनवरी की रात खाटू श्याम से लौटते समय दांतारामगढ़ रोड पर पुजारी कृषि फार्म के सामने देर रात हुआ सडक हादसे में मौके पर ही काल का ग्रास बन गई थी। घटना के बाद से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण 4 दिवसीय यात्रा के लिए केरल रवाना

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण रविवार को 4 दिवसीय केरल यात्रा के लिए रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य संसदीय परंपराओं का अध्ययन और विधायी कामकाज की बारीकियां साझा करना है। इस यात्रा के दौरान हरविन्द्र कल्याण केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके बाद वे केरल विधान सभा के अध्यक्ष ए.एन. शमसीर से संसदीय विषयों पर मुलाकात करेंगे। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण केरल विधान सभा का भी अवलोकन करेंगे। केरल रवाना होने से पूर्व विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उनकी यह केरल यात्रा हरियाणा और केरल के संसदीय अनुभवों का साझा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

हरियाणा में विकास कार्यों की होगी निरंतर निगरानी, सरकार ने गठित की उच्चस्तरीय समिति

चंडीगढ़ (धरणी) : हरियाणा सरकार ने राज्य में विकास कार्यों की प्रगति की निरंतर निगरानी करने, उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा उनके क्रियान्वयन में होने वाली देरी को रोकने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी नरेंद्र पाल मलिक तथा मुख्यमंत्री के सीनियर कंसल्टेंट करण अहलावादी को शामिल किया गया है। जन स्वास्थ्य विभाग के मुख्य अभियंता राजीव बातिश समीक्षा प्रक्रिया के लिए हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल पोर्टल से संबंधित तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। यह समिति राज्य में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की हर 15 दिन में एक बार समीक्षा करेगी। इसके अतिरिक्त, विकास कार्यों की समग्र प्रगति की समीक्षा हर दो माह में एक बार मुख्यमंत्री के स्तर पर भी की जाएगी। समिति विकास

परियोजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति से लेकर कार्य आवंटन तक की समय-सीमा, प्रशासनिक स्वीकृति अथवा परियोजना की अवधारणा के बाद वास्तु संबंधी अनुमोदनों में होने वाली देरी, कार्य आवंटन और कार्य शुरू होने के बीच के समय, जिसमें अन्य विभागों से आवश्यक अनुमतियाँ भी शामिल हैं, तथा स्वीकृत परियोजनाओं की समय पर पूर्णता का मूल्यांकन करेगी। इसके साथ ही समिति परियोजनाओं में देरी एवं लागत वृद्धि के कारणों की भी समीक्षा करेगी।

आवश्यकता होने पर संशोधित प्रशासनिक स्वीकृतियों के पश्चात निर्धारित नई समय-सीमा का परीक्षण करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सभी कार्य निर्धारित अथवा संशोधित समय-सीमा के भीतर पूरे हों।

इसके अतिरिक्त, सृजित परिसंपत्तियों के उचित रखरखाव पर भी विशेष ध्यान देगी ताकि विकास कार्यों की दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित की जा सके।

समिति इस संबंध में प्रगति की जानकारी हर महीने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को भी देगी।

पानीपत इनेलो जिलाध्यक्ष के भाई के हत्या के आरोपियों का हुआ एनकाउंटर, 2 आरोपी काबू...तीसरा फरार

पानीपत : इनेलो जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी के भाई डॉ. जयदीप राठी की हत्या के मामले में देर रात आरोपियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। जिनमें से एक के पैर में गोली लग गई जबकि तीसरा आरोपी फरार हो गया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने यमुनानगर के चहरवाला गांव से एक आरोपी जसविंदर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या की वारदात का खुलासा हुआ। जिसके बाद डीएसपी समालखा नरेंद्र कादियान ने कुलदीप राठी को इसकी जानकारी दी, साथ ही अन्य आरोपियों की तलाश शुरू की थी। इस बीच देर रात पुलिस को दो आरोपियों के पानीपत के रिफाइनरी रॉड पर होने की सूचना मिली। सीआईए-1 और 2 कई टीम वहां पहुंची तो आरोपियों के साथ मुठभेड़ हो गई, जिसमें आरोपी गुरदर्शन के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। वहीं उसका साथी बलजीत मौके से भाग निकला। मुठभेड़ के बाद जसविंदर और गुरदर्शन को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस चार आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर चुकी है।

दिग्गज ऑलराउंडर ने भारत की अगली कप्तान की भविष्यवाणी की, मंधाना की जगह इस पर दिखाया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ऐतिहासिक महिला विश्व कप 2025 जीत के बाद अब चर्चा का केंद्र टीम का भविष्य और नेतृत्व है। मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत कौर 36 वर्ष की हो चुकी हैं और उनके शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही उत्तराधिकारी की खोज तेज हो गई है। जहां स्मृति मंधाना को लंबे समय से अगला कप्तान माना जा रहा था, वहीं दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज ऑलराउंडर मैरिज़ेन कैप ने एक अलग नाम आगे बढ़ाकर बहस को नया मोड़ दे दिया है। उनका मानना है कि भारत को ऐसा लीडर चाहिए जो टीम को जोड़कर रख सके।

हरमनप्रीत कौर के बाद कौन? लीडरशिप पर नई बहस

विश्व कप जीत के बाद भारतीय महिला टीम स्थिरता और निरंतरता के दौर में है, लेकिन कप्तानी का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। हरमनप्रीत ने कई सालों तक टीम का नेतृत्व किया है, पर उम्र और भविष्य की योजना को देखते हुए बीसीसीआई को दीर्घकालिक विकल्प की ज़रूरत है। ऐसे में लीडरशिप सिर्फ रणनीति तक सीमित नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को साथ लेकर चलने की क्षमता भी अहम बन गई है।

मैरिजेन कैप का चौंकाने वाला समर्थन

5 जनवरी 2026 को दिए एक इंटरव्यू में मैरिज़ेन कैप ने जेमिमा रोड्रिग्स को भारत की अगली कप्तान के रूप में देखने की इच्छा जताई। कैप के अनुसार, जेमिमा में वर्षों से लीडरशिप के गुण दिखाई देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कप्तानी केवल फील्ड सेटिंग और फैसलों तक सीमित नहीं होती, बल्कि टीम के भीतर विश्वास और एकता बनाना भी उतना ही जरूरी है—और जेमिमा इसमें स्वाभाविक रूप से आगे हैं।

पर्सनैलिटी और परफॉर्मेंस का सही संतुलन

कैप ने ज़ोर देकर कहा कि जेमिमा की सबसे बड़ी ताकत उनकी पर्सनैलिटी है। वह खिलाड़ियों को जोड़ती हैं, माहौल को सकारात्मक रखती हैं और हर खिलाड़ी की परवाह करती हैं। हाल ही में विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ खेली गई उनकी नाबाद 127 रनों की पारी ने यह भी साबित किया कि वह बड़े मंच और दबाव को संभाल सकती हैं। 25 साल की उम्र में इस तरह की परिपक्वता उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार बनाती है।

WPL 2026: जेमिमा के लिए लीडरशिप की अग्निपरीक्षा

जेमिमा रोड्रिग्स को WPL 2026 सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी सौंपे जाने के साथ ही यह चर्चा और मजबूत हो गई है। वह अनुभवी मेग लैनिंग की जगह ले रही हैं, जो अब क्वॉरियर्ज का नेतृत्व करेंगी। इस बदलाव को भारतीय क्रिकेट में एक रणनीतिक प्रयोग के

तौर पर देखा जा रहा है, जहां जेमिमा की कप्तानी को हाई-प्रेशर लीग में परखा जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स और भविष्य की राह

दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने जेमिमा पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम की पहली पिक से कप्तान बनने तक का उनका सफ़र प्रेरणादायक है। जब DC 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी, तो सभी की निगाहें जेमिमा पर होंगी। अगर वह टीम को पहला WPL खिताब दिलाने में सफल रहती हैं, तो भारत की अगली महिला कप्तान के रूप में उनका दावा और भी मजबूत हो जाएगा।

ह्यूबर्ट हुरकाज ने यूनाइटेड कप में ज्वेरेव को हराया, चोट के बाद दमदार वापसी

सिडनी (एजेंसी)। पोलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी ह्यूबर्ट हरकाज ने चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी करते हुए यूनाइटेड कप में बड़ा उलटफेर किया है। करीब सात महीने बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटे हरकाज ने सोमवार को विश्व नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराकर अपने इरादे साफ कर दिए।

यह मुकाबला सिडनी में खेला गया, जहां हरकाज ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी ज्वेरेव को 6-3, 6-4 से मात दी। पूरे मैच के दौरान हरकाज ने दमदार सर्विस, सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि उन्होंने दबाव के क्षणों में भी संयम बनाए रखा और ज्वेरेव को लय में आने का मौका नहीं दिया।

चोट के बाद मानसिक और शारीरिक परीक्षा

मैच के बाद हरकाज ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'काफी समय हो गया था जब मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। लगभग सात महीने तक मैं कोर्ट से दूर रहा। यह दौर मेरे लिए और टीम के लिए काफी मुश्किल था, लेकिन सभी ने मेरा पूरा समर्थन किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम लंबे समय तक यह भी नहीं जानते थे कि मैं दोबारा कब कोर्ट पर लौट पाऊंगा। आज मैं बस हर पल का आनंद लेने की कोशिश कर रहा था।'

आत्मविश्वास की वापसी का संकेत

हरकाज की यह जीत न केवल पोलैंड के लिए यूनाइटेड कप में अहम साबित हुई, बल्कि यह भी दिखाती है कि चोट के बाद वह धीरे-धीरे अपनी पुरानी लय और आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं। ज्वेरेव जैसे शीर्ष खिलाड़ी को हराना आने वाले बड़े टूर्नामेंटों से पहले हरकाज के लिए मनोबल बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

यूनाइटेड कप जैसे मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इस तरह की जीत से पोलैंड की टीम को भी मजबूती मिली है और हरकाज ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तरह फिट होकर फिर से शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : वापसी की चर्चा के बीच विराट कोहली दिल्ली के लिए नहीं खेलेंगे अगला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली रेलवे के खिलाफ होने वाला विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का मैच नहीं खेलेंगे। दोनों राज्य एसोसिएशन BCCI के प्रमुख 50 ओवर के टूर्नामेंट के पांचवें राउंड में 6 जनवरी को आमने-सामने होने वाले थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विराट KSCA क्रिकेट ग्राउंड पर रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच के लिए सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में विराट की गैरमौजूदगी का कारण नहीं बताया गया है।

खास बात यह है कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दिल्ली के लिए पहले दो मैच खेले और एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। हालांकि वह अपने परिवार के पास लौट गए और पिछले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं खेले। 37 साल के यह खिलाड़ी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने से पहले एक और VHT मैच खेलने वाले थे। हालांकि अब यह भारतीय स्टार 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में सीधे न्यूजीलैंड के खिलाफ एक्शन में दिखेंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले बोर्ड ने भारत के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को निर्देश दिया था कि अगर उन्हें वनडे के लिए टीम में बने रहना है तो उन्हें कम से कम दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलने होंगे। इसलिए रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या और सभी बड़े खिलाड़ियों ने इस दिसंबर विंडो में अपने राज्य एसोसिएशन की जर्सी पहनी।

दिल्ली के लिए विराट कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने सबसे पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच खेला और शानदार 131 (101) रन बनाए जिसमें 14 चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्होंने गुजरात का सामना किया और 77 (61) रन बनाए। अगर विराट अब आने वाला विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं भी खेलते हैं, तो BCCI की तरफ से कोई दबाव नहीं होगा, क्योंकि उन्होंने पहले ही उनकी बात मान ली है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की दहाड़, सिर्फ 24 गेंदों में ठोके 68 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के दूसरे मैच में उसी टीम का सामना किया। दोनों टीमें 5 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में आमने-सामने थीं। मैच की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाजी करने से हुई। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 245 रन बनाए और जैसे ही रन चेज़ शुरू हुआ, भारतीय कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस युवा खिलाड़ी ने भारतीय टीम के लिए पारी की शुरुआत की और विरोधी टीम के बल्लेबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्यवंशी ने मात्र 24 गेंदों में 68 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और एक चौका शामिल था। उनकी तेज शुरुआत ने भारतीय अंडर-19 टीम को मैच में वह शानदार शुरुआत दिलाई जिसकी उन्हें जरूरत थी।

उन्होंने आरोन जॉर्ज के साथ पारी की शुरुआत की, जो रन चेज़ के शुरुआती चरण में ही 20 रन बनाकर आउट हो गए। मैच की बात करें तो, दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 ने पहले बल्लेबाजी की। जोरिच वैन शाल्कविक और अदनान लगडियन ने क्रमशः 10 और 25 रन बनाकर पारी की शुरुआत की। कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया भी मात्र 14 रन बनाकर आउट हो गए।

जेसन रोल्स की शानदार पारी ने दक्षिण अफ्रीका को अपनी पारी को संभालने में मदद की। इस स्टार बल्लेबाज ने 113 गेंदों में 114 रन बनाए, जबकि डेनियल बोसमैन ने 63 गेंदों में 31 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 245 रनों पर सिमट गई, और इसका श्रेय किशन सिंह की गेंदबाजी को जाता है। पहली पारी में 8.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए किशन सिंह ने चार विकेट लिए और 46 रन दिए। इसके अलावा, आरएस अंबरीश ने दो विकेट लिए, वहीं दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

शार्दुल और सरफराज के चोटिल होने से मुम्बई की मुश्किलें बढ़ीं, मंगलवार को हिमाचल के खिलाफ मैच में इन दोनो के बिना ही उतरना होगा

मुम्बई । कप्तान शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सरफराज खान के चोटिल होने की विजय हजारे ट्रॉफी खेल रही मुंबई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मुंबई की टीम ने ग्रुप सी में

अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। मुम्बई ने अपने 5 मैचों में से 4 जीते है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी दो लीग चरण के मैच खेलने हैं। ऐसे में अब नॉकआउट मैचों में प्रवेश के लिए मुंबई को कम से कम एक मुकाबला जीतना होगा और नेट रन रेट को भी बेहतर बनाये रखना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शार्दुल ठाकुर पूरे टूर्नामेंट से भी बाहर हो सकते हैं। जयपुर में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह पूरे ओवर भी नहीं फेंक पाये थे। मुंबई की टीम को अपना अगला मैच 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश से खेलना है। शार्दुल अगर अगले मैचों के लिए बाहर हुए तो ये मुंबई के लिए करारा झटका होगा। उनके अलावा बल्लेबाज सरफराज का खेलना भी मुश्किल है। ऐसे में दो अनुभवी खिलाड़ियों की कमी पूरी करना मुम्बई के लिए कठिन होगा। राहत की बात है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर टीम से जुड़ रहे हैं।

गिल के टीम से बाहर होने पर हैरान रिकी पोंटिंग... लेकिन भारतीय क्रिकेट की इस बात से खुश

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए भारत की टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं मिली, जो सितंबर 2025 में एशिया कप से पहले टी20 टीम के आधिकारिक तौर पर उपकप्तान थे। खराब फॉर्म की वजह से चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग चयनकर्ताओं के फैसले से हैरान हैं। हालांकि, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की। उनका कहना है कि जब आप गिल जैसे खिलाड़ी को बाहर करते हैं, तब पता चलता है कि आपके पास टैलेंट की कमी नहीं है। आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने गिल को ड्रॉप करने को लेकर कहा, 卐मुझे यकीन नहीं हुआ। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका हालिया फॉर्म बहुत अच्छा नहीं रहा है। लेकिन पिछली बार जब मैंने उन्हें सच में अच्छा खेलते देखा था, तब वह यूके में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज थी, जहां उन्होंने इतनी अच्छी बैटिंग की जितनी मैंने कभी किसी को करते नहीं देखा। मुझे लगता है, पहली बात यह कि मैं हैरान हूं, लेकिन दूसरी बात यह कि, यह इंडियन क्रिकेट की डेप्थ को दिखाता है। उन्होंने कहा, अगर आप सोच सकते हैं कि गिल जैसे अच्छे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया, तब इससे पता चलता है कि भारत के पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर गिल को लेकर कहा था, 卐हम जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है, लेकिन शायद इस समय वह थोड़े रन नहीं बना पाया है। पिछले वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे, लेकिन यह किसी भी चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की बात है।जब आप 15 खिलाड़ी चुनते हैं तब किसी को बाहर रहना ही पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय गिल हैं। हम कॉम्बिनेशन देख रहे हैं।

बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मैचों को कोलंबो स्थानांतरित कर सकता है आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह शुरु हो रहे टी20 विश्वकप में बांग्लादेश के सभी मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर सकता है। इसका कारण है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से वह अपनी टीम भारत नहीं भेज सकता है। इसी को देखते हुए बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप स्तर के मैचों को दूसरे स्थलों पर अन्य देश में कराने को कहा है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान हालातों को देखते हुए आईसीसी इस अनुरोध पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि इस मैच में शीघ्र ही कोई फैसला आ सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर कर दिया। बीसीसीआई के इस फैसले के बाद बीसीबी ने कहा था कि ये कदम सुरक्षा कारणों से भारतीय बोर्ड ने उठाया है। ऐसे में हमारी टीम की सुरक्षा भी वहां खतरे में पड़ जाएगी। इसलिए टीम को भारत नहीं भेजा जा सकता है। तय कार्यक्रम के अनुसार विश्कप के मैच 7 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक भारत और श्रीलंका में खेले जाने हैं। वर्तमान कार्यक्रम के तहत बांग्लादेश को अपने चार ग्रुप मैचों में से तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने हैं, जबकि एक मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलना है। अब ये सभी मैच सहमेजबान श्रीलंका को स्थानांतरित किये जा सकते हैं। अगर आईसीसी बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में आयोजित करता है तो श्रीलंका में मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करना होगा। इसके अलावा टीमों के रहने और अन्य सुविधाओं की भी व्यवस्था करना होगा।

हॉकी लीग के जरिये फिर खुद को साबित करना चाहते हैं 'पोस्टर ब्वॉय' रहे हरजीत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिये ही नही, ख़ुद उनके लिये भी हैरानी का सबब रहा। हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने भाषा से खास बातचीत में कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।'

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी। हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा

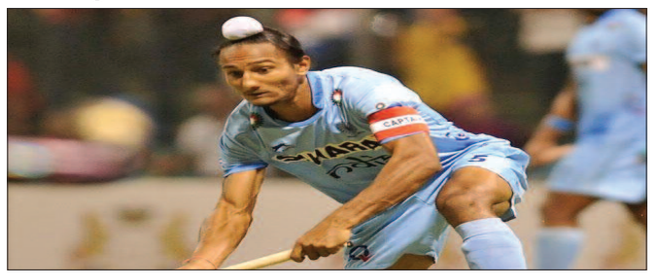

थे।

जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे। हरजीत ने कहा, 'मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है।' 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत के लिए करीब 50 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैंने कइयों से पूछा लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया।' उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था।मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली।'

उनकी तुलना अक्सर जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और अचानक परिदृश्य से गायब हो गए। भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिए खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की।'

उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिये एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिये खेलूंगा । मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।' हॉकी इंडिया लीग में हरमनप्रीत की कप्तानी वाली जेएसडब्ल्यू सूरमा टीम के लिये खेल रहे हरजीत ने कहा, 'मैं दिल से सूरमा (योद्धा) हूं और टीम का काफी सहयोग मिला है चूंकि इसमें जूनियर सीनियर का कोई भेद नहीं है।%

उन्होंने कहा, 'जूनियर विश्व कप के साथी हरमनप्रीत, आकाशदीप, गुरजंत, विवेक सागर प्रसाद टीम में हैं जो अच्छी बात है। हरमनप्रीत टीम को साथ में लेकर चलता है और ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा रहता है।' हॉकी किट और अच्छी खुराक के लालच में खेलना शुरू करने वाले हरजीत 2007 में जालंधर की सुरजीत अकादमी चले गए और 2011 में भारतीय टीम के शिविर में चयन हुआ था।

सविता पूनिया की नजरें एशियाई खेल स्वर्ण के जरिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन पर

नई दिल्ली । भारत की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की नजरें खेल को अलविदा कहने से पहले इस साल एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करने पर लगी हैं। सविता ने कहा कि वह फिलहाल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से आगे नहीं सोच रही हैं। राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता और तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुकी सविता ने कहा, 'मुझे लगने लगा है कि अब परिवार के साथ और समय बिताना है। सभी को कभी न कभी रिटायर होना है लेकिन मैं अच्छे समय पर यह फैसला लेना चाहती हूं। एशियाई खेल हो या 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक।' उन्होंने कहा, 'अभी ओलंपिक में समय है तो मैं कुछ कह नहीं सकती। मेरा फोकस एशियाई खेलों पर है और उससे आगे के बारे में नहीं सोच रही। मैं एशियाई खेलों के बाद संन्यास का फैसला लूंगी। अगर हम वहीं से ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करते हैं तो बहुत अच्छा होगा ताकि क्वालीफायर का दबाव नहीं झेलना पड़े।' हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिये खेल रही सविता ने कहा कि वह एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगी। उन्होंने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। मैं हमेशा लक्ष्य लेकर चलती हूं और एक समय में एक ही लक्ष्य जेहन में होता है। हमारी टीम काफी सक्षम है और मैं सीनियर खिलाड़ी होने के नाते हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढाने के लिये हूं।' सविता ने कहा, 'विश्व कप क्वालीफायर भी काफी अहम है और उसके बाद नेशंस कप भी है। यह पूरा साल काफी अहम होने वाला है।'

मलेशिया ओपन: लक्ष्य सेन के साथ इन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

कुआलालंपुर (एजेंसी)। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही भारतीय बैडमिंटन की निगाहें मलेशिया ओपन सुपर 1000 पर टिक गई हैं, जहां लक्ष्य सेन के साथ पी.वी. सिंधू, सात्विक-चिराग और कई युवा खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। 14.5 लाख डॉलर इनामी इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय शटलर्स न सिर्फ 2025 की निराशाओं को पीछे छोड़ना चाहेंगे, बल्कि दमदार प्रदर्शन के जरिए नए साल का सकारात्मक आगाज करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे।

पिछले साल की निराशा, अब नए साल से उम्मीदें

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए 2025 का साल खास नहीं रहा, जहां कई शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते नजर आए। ऐसे में मलेशिया ओपन को खिलाड़ी न सिर्फ वापसी का मंच मान रहे हैं, बल्कि अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 की तैयारी के लिहाज से भी इसे अहम मान रहे हैं।

लय में लौटे लक्ष्य सेन

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान के बाद खराब दौर से गुजर रहे विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 जीतकर लय हासिल की है। 24 वर्षीय अल्मोड़ा के खिलाड़ी हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे। लक्ष्य पहले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ उसी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

आयुष शेट्टी के सामने बड़ी चुनौती

यूएस ओपन सुपर 300 चैंपियन युवा आयुष शेट्टी का पहले दौर में सामना पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के ली जी जिया से होगा, जो उनके लिए कड़ी परीक्षा साबित हो सकती है।

चोट से वापसी कर रहीं पी.वी. सिंधू

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधू के लिए पिछला साल निराशाजनक रहा। पैर की चोट के कारण वह अक्टूबर के बाद से कोर्ट से दूर थीं। सिंधू पहले दौर में चीनी ताइपै की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी।

युवा और वापसी कर रहे खिलाड़ियों पर नजर

दूसरी बार ओडिशा ओपन खिताब जीतने वाली उन्नति हुड्डा का सामना पहले दौर में टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और चौथी वरीयता प्राप्त चीन की चेन यू फेई से होगा। वहीं, बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद वापसी कर रहीं मालविका बंसोड की टक्कर पूर्व विश्व चैंपियन थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन से होगी।

सात्विक-विराग से बड़ी उम्मीदें

तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी और विश्व चैंपियनशिप में दूसरी बार कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेल चैंपियन यह जोड़ी पहले दौर में चीनी ताइपै के ली झे हुइ और यांग पो सुआन से

भिड़ेगी। भारत की ही जोड़ी एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकरूनन का सामना जापान के हिरोकी मिदोरिकावा और के. यामाशिता से होगा।

महिला युगल में भी चुनौतीपूर्ण शुरुआत

महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेब्रियाना डी कुसुमा और मेलिसा त्रियास पुष्पितासारी से मुकाबला करेगी। नए साल की इस पहली बड़ी परीक्षा में भारतीय खिलाड़ियों से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि आने वाले टूर्नामेंटों के लिए आत्मविश्वास हासिल किया जा सके।

ब्रिटेन की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राडुकानू ने ओसाका के खिलाफ यूनाइटेड कप मुकाबले से वापस लिया नाम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। ग्रेट ब्रिटेन की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू ने यूनाइटेड कप में नाओमी ओसाका के खिलाफ अपने मैच से नाम वापस ले लिया। राडुकानू की गैरमौजूदगी में ग्रेट ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया में जापान के खिलाफ 2-1 से

ग्रुप-स्टेज जीत के साथ अपने यूनाइटेड कप अभियान की शुरुआत की। ब्रिटिश नंबर वन खिलाड़ी ने अक्टूबर से कोई मैच नहीं खेला है और दिसंबर में पैर में मामूली चोट के कारण अमेरिका में दो प्रदर्शनी मैचों से नाम वापस ले लिया था। ग्रेट ब्रिटेन की टीम के कप्तान टिम हेनमैन ने मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टर नाइन से कहा, 'मुझे ईमानदार होना होगा, वह बहुत करीब थी। यह आसान फैसला नहीं था। वह तैयारी कर रही थी और बहुत अच्छी तरह से अभ्यास कर रही थी। लेकिन हमें आज सुबह लगा कि यह थोड़ा जल्दी है।'

हनुमान के सीक्वल को लेकर अफवाहों पर तेजा सज्जा ने लगाया विराम

साउथ के एक्टर तेजा सज्जा फिल्म हनुमान के सीक्वल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें चल रही थीं कि एक्टर तेजा सज्जा ने 2024 की हिट फिल्म हनुमान के सीक्वल से किनारा कर लिया है। जय हनुमान के बारे में कोई अपडेट न होने के कारण कई लोगों ने इसे सच मान लिया। हालांकि, तेजा सज्जा ने इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से किनारा किया है।

सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा थी कि तेजा सज्जा हनुमान के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगे। खबरें यह भी थीं कि उन्होंने इस फिल्म से किनारा कर लिया। दावा किया गया कि लिमिटेड स्क्रीन टाइम और क्रिएटिव मतभेदों का हवाला देते हुए, उन्होंने खुद को प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स से अलग किया। हालांकि तेजा सज्जा ने इस तरह की खबरों को सिरे से खारिज किया है। तेजा सज्जा ने बताया ये गलत खबरें हैं कि मैं जय हनुमान का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बताया है कि वह अपने आप को इस प्रोजेक्ट से अलग नहीं कर रहे हैं। अप्रैल 2024 में तेजा सज्जा ने बताया था कि यह फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी।

उन्होंने जय हनुमान में अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा था मैं भी जय हनुमान का हिस्सा बनूंगा। फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी। उन्होंने दिसंबर 2024 में बताया था मैं सेट पर जाने का इंतजार कर रहा हूं। मैं इसके लिए उत्साहित हूं।

खुद से छोटे एक्टर राजीव सिद्धार्थ को डेट कर रहीं हैं

नए साल का स्वागत हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने नए साल का स्वागत बड़े ही खास अंदाज में किया है। एक्ट्रेस ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को रिवील किया है। उन्होंने अपने रिश्ते को आधिकारिक करते हुए अपने पार्टनर के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं।

अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते में हैं कीर्ति

नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपेन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'

राजीव से 11 महीने बड़ी हैं कीर्ति

आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं। साल 1985 को जन्मीं कीर्ति कुल्हारी 40 साल की हैं। जबकि राजीव सिद्धार्थ कीर्ति से सिर्फ 11 महीने ही छोटे हैं। अप्रैल 1986 में जन्मे राजीव सिद्धार्थ अभी 39 साल के हैं। ऐसे में कीर्ति और राजीव के बीच उम्र का अधिक फासला नहीं है।

2016 में कीर्ति ने की थी साहिल सहगल से शादी

कीर्ति कुल्हारी ने इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी। दोनों ने साल 2016 में शादी की थी। लेकिन पांच साल तक शादी चलने के बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई थीं कीर्ति

वर्कफंट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी आखिरी बार अपनी लोकप्रिय सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे सीजन में नजर आई हैं। यह शो 19 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज स्ट्रीम हुआ था।

गौरव खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद जहां एक तरफ गौरव खन्ना के फैंस उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस भी तेज हो गई। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि टीवी इंडस्ट्री में पहले से पहचान और एक बड़े चैनल से जुड़ाव ने उन्हें ट्रॉफी तक पहुंचाया। लेकिन इन तमाम अटकलों पर अब खुद गौरव खन्ना ने खुलकर अपनी बात रखी है।

गौरव खन्ना ने ट्रोलिंग पर की बात

पिछले कुछ दिनों से बिग बॉस की जीत को लेकर गौरव खन्ना को कुछ यूजर्स की ओर से ट्रोल किया जा रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि वो अपनी फेम की वजह से शो की ट्रॉफी अपने नाम कर पाए। इसे लेकर एक इंटरव्यू में गौरव खन्ना ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी जीत किसी चैनल फेस या फेम का नतीजा नहीं, बल्कि दो दशक की लगातार मेहनत और अनुभव का परिणाम है। उनका कहना है कि लोग अक्सर सफलता के पीछे शॉर्टकट ढूंढते हैं, जबकि असलियत में कोई भी उपलब्धि वर्षों की तपस्या के बिना नहीं मिलती। उन्होंने याद दिलाया कि वह पिछले 15 वर्षों से किसी खास चैनल से जुड़े नहीं हैं और उनका करियर सिर्फ एक शो या पहचान तक सीमित नहीं रहा।

गौरव ने अपनी जर्नी पर भी की बात

टीवी की दुनिया में लंबा वक्त बिताने के बाद बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में उतरना गौरव के लिए आसान फैसला नहीं था। उन्होंने पहले दिन से यह तय कर लिया था कि वह इस शो को किसी से मुकाबला करने की जगह आत्ममंथन और खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया बनाएंगे। गौरव के मुताबिक, बिग बॉस का घर सिर्फ कैमरों और कंट्रोवर्सी का खेल नहीं है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और समझदारी की असली परीक्षा भी लेता है।

अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं अक्षय खन्ना

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे।

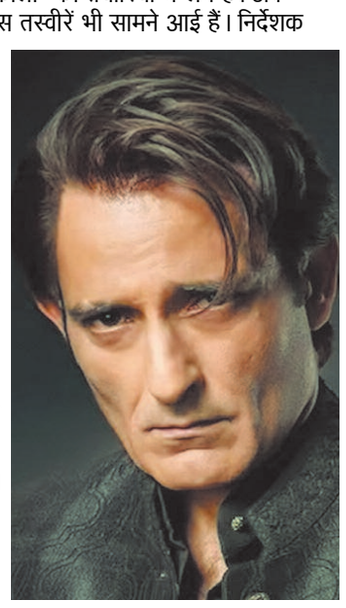

पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इसी साल शुरू होगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है। पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी।

कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2' को लेकर कही बात

कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं।

मैं किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती

बातचीत के दौरान कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ो को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्वल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्वल है। कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है।

कृति आखिरी बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित 'तेरे इश्क में' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह एक पैशनेट लव स्टोरी है, जिसमें कृति ने मुक्ति नाम का किरदार निभाया है। फिल्म में कृति के अभिनय की काफी तारीफ भी हुई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कारोबार किया है।

शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्वल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।